

संक्षिप्त खबरे

युवक ने फंदे से लटक कर की आत्महत्या

रांची। झारखंड की राजधानी रांची के नामकुम थाना क्षेत्र स्थित मौलाना आजाद कॉलोनी में एक युवक ने फंदे से लटककर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान शेख परवेज के रूप में की गई है। स्थानीय लोगों के अनुसार, परिजनों ने युवक को घर में फंदे से लटका हुआ पाया। इसके बाद उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। कॉलोनीवासियों ने बताया कि युवक अक्सर नशे की हालत में रहता था। ऐसे में आशंका जताई जा रही है कि नशे में होने के कारण उसने यह कदम उठाया। हालांकि, आत्महत्या के वास्तविक कारणों का अभी स्पष्ट रूप से पता नहीं चल पाया है। घटना की सूचना मिलते ही नामकुम थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। थाना प्रभारी राम नारायण ने बताया कि मामले की गहन जांच की जा रही है और सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखते हुए कार्रवाई की जाएगी।

बेटे ने की कुदाल से हमला कर पिता की हत्या, गिरफ्तार

रांची। रांची के एयरपोर्ट थाना क्षेत्र के हाराटांड में पैसों को लेकर हुए विवाद में एक बेटे ने अपने पिता की हत्या कर दी। स्थानीय लोगों ने बताया कि 32 वर्षीय कमल साहू का अपने पिता गोविंद साहू से पिछले कई दिनों से पैसों को लेकर विवाद चल रहा था। बुधवार को पिता-पुत्र के बीच पैसों के विवाद के कारण जमकर कहासुनी हुई। इसी बीच गुस्से में आकर कमल ने घर में रखे कुदाल से अपने पिता गोविंद साहू पर तबाड़तोड़ कई वार कर दिए। इस हमले में पिता गोविंद साहू की मौके पर ही मौत हो गई। स्थानीय लोगों ने बताया कि कमल साहू जुआ खेलने का आदी था। वह अक्सर जुए में पैसों हार जाता और फिर अपने पिता से पैसों की मांग किया करता था। इसी बीच कमल की बहन के पास कुछ पैसों आये थे, जिसपर कमल की नजर पड़ी। चुकी पैसों कमल के पिता के पास ही रखे गए थे, उन्हीं पैसों की मांग को लेकर कमल अपने पिता से लगातार झगड़ता था। बुधवार को मामला इतना बढ़ा की कमल ने अपने पिता की हत्या ही कर दी। इस संबंध में हटिया के पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) प्रमोद मिश्रा ने बताया कि हत्या करने के बाद आरोपित कमल फरार होने की कोशिश में था, लेकिन पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है।

रांची में सीएनजी ऑटो चालकों का धरना, अवैध पार्किंग वसूली पर रोक की मांग

रांची। रांची में झारखंड प्रदेश सीएनजी ऑटो चालक महासंघ के बैनर तले बुधवार को लोक भवन के पास धरना-प्रदर्शन किया गया। यह धरना अरगोड़ा, आईटीआई, रातू रोड और एचईसी क्षेत्र में पार्किंग के नाम पर हो रही कथित अवैध वसूली के विरोध में आयोजित किया गया।धरना की अध्यक्षता करते हुए महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष दिनेश सोनी ने कहा कि अवैध वसूली पर रोक लगाने से राज्य में वृद्धि होगी और ऑटो चालकों को राहत मिलेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि नगर निगम द्वारा पार्किंग के नाम पर अवैध शुल्क वसूला जा रहा है। उन्होंने मांग की कि पार्किंग शुल्क को खोलवट टेंडर के माध्यम से निर्धारित किया जाए, ताकि एक ही टोकन से पूरे नगर निगम क्षेत्र में ऑटो चालक अपना वाहन चला सकें। इससे रांचीव चालकों को आर्थिक राहत मिलेगी।

रांची में दुर्गा पूजा पर दिखेगी बृहदेश्वर मंदिर की भव्य झलक



रांची। झारखंड की राजधानी रांची के बकरी बाजार स्थित भारतीय युवक संघ इस वर्ष दुर्गा पूजा को भव्य और खास बनाने की तैयारी में जुट गया है। संघ ने इस बार पूजा पंडाल को दक्षिण भारत के प्रसिद्ध बृहदेश्वर मंदिर की तर्ज पर बनाने का निर्णय लिया है, जिससे श्रद्धालुओं को एक अनूठा धार्मिक और सांस्कृतिक अनुभव मिलेगा। संघ के अध्यक्ष राहुल अग्रवाल ने बताया कि इस बार पंडाल में तमिलनाडु के तंजावुर जिले में स्थित इस ऐतिहासिक शिव मंदिर की भव्य प्रतिकृति तैयार की जाएगी। खास बात यह है कि पंडाल का निर्माण पूरी तरह प्राकृतिक सामग्रियों से किया जाएगा, जिससे इसकी कलात्मकता और पर्यावरणीय संतुलन दोनों का ध्यान रखा जा सके।

उन्होंने जानकारी दी कि पंडाल के मुख्य द्वार पर भगवान शिव के वाहन नंदी की विशाल प्रतिमा स्थापित की जाएगी, जो श्रद्धालुओं के आकर्षण का प्रमुख केंद्र बनेगी। पंडाल के डिजाइन का कार्य पश्चिम बंगाल में शुरू हो चुका है, जबकि जुलाई के पहले सप्ताह में भूमि पूजन के साथ निर्माण कार्य प्रारंभ किया जाएगा। दरअसल, इस वर्ष शारदीय नवरात्र 11 अक्टूबर से शुरू हो रहा है। भारतीय युवक संघ वर्ष 1958 से लगातार सामाजिक, सांस्कृतिक और धार्मिक गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाते हुए हर साल आकर्षक और थीम आधारित

पंडाल निर्माण के लिए प्रसिद्ध रहा है। उल्लेखनीय है कि बृहदेश्वर मंदिर, जिसे द्वापेरुबुदेयार कोविलह्म भी कहा जाता है, कावेरी नदी के दक्षिण तट पर स्थित एक विश्वप्रसिद्ध मंदिर है। इसका निर्माण चोल सम्राट राजा, राजा चोल प्रथम ने 1003 से 1010 ईस्वी के बीच कराया था। यह मंदिर द्रविड़ स्थापत्य शैली का उत्कृष्ट उदाहरण है और पूरी तरह ग्रेनाइट पत्थरों से निर्मित है। करीब 66 मीटर ऊंचे शिखर और शीर्ष पर स्थित 80 टन वजनी कुंभम के साथ यह मंदिर अपनी भव्यता के लिए जाना जाता है। प्रवेश द्वार पर विशाल नंदी प्रतिमा और गर्भगृह में स्थापित 12 फीट ऊंचा शिवलिंग इसकी विशेषता को और बढ़ाते हैं। यह यूनेस्को की ह्लेट लिविंग चोला टेम्पल्सह्म विश्व धरोहर सूची में शामिल है। इस बार पंडाल का डिजाइन बंगाल के प्रसिद्ध कलाकार अशोक दा (पार्वती डेकोरेटर्स) द्वारा तैयार किया जा रहा है, जबकि मूर्ति निर्माण का कार्य शिल्पकार अनूप दा करेंगे। संघ के प्रवक्ता अमित बजाज ने बताया कि आयोजन की भव्य और यादगार बनाने के लिए सभी सदस्य पूरी तैयारी में जुटे हुए हैं। बैठक में राहुल अग्रवाल, रवि रोहिंग, सत्येंद्र जानान, विनोद छापड़िया, संजय चौधरी, अमर पोद्दार, किशन मोदी, राजा भोलोटिया, मनीष साहू, राकेश गोयल, सुनील पोद्दार, किशोरी पोद्दार, कमल खेतावत, विनोद टिबरोवाल, अमित बजाज, सचिन मोतीका, अरविंद चौधरी, पवन लोहिया, सिद्धांत तोदी, सौरव अग्रवाल, आकाश अग्रवाल, चंदन चौधरी समेत कई सदस्य उपस्थित रहे।

राज्य की सभी पंचायतों में बनेंगे हेल्थ कॉटेज : डॉ. इरफान अंसारी

ई-संजीवनी से बदलेगी तस्वीर, एआई टेक्नोलॉजी से हाईटेक होगा झारखंड का हेल्थ सिस्टम

डॉक्टरों को सख्त संदेश: मरीजों से रखें बेहतर व्यवहार, लापरवाही पर होगी कार्रवाई

नव प्रदेश संवाददाता

रांची। नामकुम स्थित लोक स्वास्थ्य संस्थान में बुधवार को ई-संजीवनी टेलीमैडिसिन विषय पर राज्यस्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने शिरकत की। इस अवसर पर उन्होंने घोषणा की कि राज्य सरकार जल्द ही सभी पंचायतों में हेल्थ कंटेज स्थापित करने जा रही है, जहां इलाज के साथ-साथ स्वास्थ्य के अनुकूल वातावरण भी उपलब्ध कराया जाएगा। कार्यशाला में राज्यभर के सिविल सर्जन, ई-संजीवनी टेलीमानस के प्रतिनिधि सहित कई स्वास्थ्य अधिकारी उपस्थित रहे। इस दौरान स्वास्थ्य मंत्री, राजमहल के सांसद श्री विजय हांसदा एवं राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अभियान निदेशक शशि प्रकाश झा द्वारा ई-संजीवनी टेलीमैडिसिन की प्रोटोकॉल गाइडलाइंस का अनावरण किया गया। साथ ही उत्कृष्ट कार्य करने वाले 13 डॉक्टरों



एवं 12 सामुदायिक स्वास्थ्य पदाधिकारियों (उल्हाड़) को सम्मानित किया गया। स्वास्थ्य मंत्री डॉ. अंसारी ने कहा कि कोविड जैसे कठिन समय में जब लोग एक-दूसरे से दूर हो रहे थे, उस समय ई-संजीवनी टेलीमैडिसिन ने लोगों को जोड़ा। उन्होंने डॉक्टरों को निर्देश देते हुए कहा कि मरीजों के साथ उनका व्यवहार सहज, सरल और संवेदनशील होना चाहिए, ताकि मरीज अपनी समस्या खुलकर साझा कर सकें। उन्होंने कहा कि झारखंड की स्वास्थ्य व्यवस्था में अत्याधुनिक और एआई आधारित तकनीकों को शामिल कर व्यापक सुधार लाया जाएगा। इसके लिए सभी स्वास्थ्यकर्मियों के सहयोग की आवश्यकता है। उन्होंने सिविल सर्जनों से निर्भीक होकर कार्य करने का आह्वान करते हुए मरीजों एवं जनप्रतिनिधियों के प्रति संवेदनशील रहने का निर्देश दिया। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि एक चिकित्सक के रूप में हम सभी बिना किसी भेदभाव के सेवा करने की शपथ लेते हैं। चिकित्सा सेवा का क्षेत्र है, जहां मानवता सर्वोपरि होनी चाहिए। राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए शीघ्र ही एक सशक्त मॉनिटरिंग सेल स्थापित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जहां अच्छे कार्यों को प्रोत्साहन

मिलेगा, वहीं लापरवाही करने वालों पर सख्त कार्रवाई भी की जाएगी। स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि राज्य में रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु नई नीति लागू की जाएगी। इसके तहत एजेंसी के माध्यम से रक्त उपलब्ध कराया जाएगा तथा आम जनता की सुविधा के लिए टोल-फ्री नंबर भी जारी किया जाएगा। राज्य में अबुआ मेडिकल स्टोर के माध्यम से लोगों को दवाएं सुलभ कराई जाएंगी। यहां दवाओं के उपयोग, साइड इफेक्ट और सेवन विधि की जानकारी भी सरल भाषा में दी जाएगी। उन्होंने बताया कि राज्य में 747 अबुआ मेडिकल स्टोर खोलने की प्रक्रिया जारी है। स्वास्थ्य मंत्री ने स्पष्ट किया कि वे किसी भी स्वास्थ्य संस्थान का कभी भी औचक निरीक्षण कर सकते हैं। इसका उद्देश्य किसी को भयभीत करना नहीं, बल्कि व्यवस्था में सुधार लाना है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अभियान निदेशक शशि प्रकाश झा ने कहा कि ई-संजीवनी टेलीमेडिसिन भ्रम और गलत इलाज से बचाने में अत्यंत प्रभावी है। उन्होंने बेहतर कार्य कर रहे डॉक्टरों से अन्य चिकित्सकों को प्रेरणा लेने की अपील की, ताकि दूरदराज क्षेत्रों तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाई जा सकें। कार्यक्रम में सीएपीएचसी (आम) के राज्य नोडल पदाधिकारी डॉ. मुकेश मिश्रा ने विषय प्रवेश कराया तथा विशेषज्ञों ने भी अपने विचार साझा किए।

पंचायतों की राशि में 'कट-कमीशन' का खेल खेला गया, तो आंदोलन : भानु

रांची। रांची में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश उपाध्यक्ष और पूर्व मंत्री भानु प्रताप शाही ने केंद्र सरकार द्वारा झारखंड को भेजे गए फंड और उसके उपयोग को लेकर राज्य सरकार के रवैये पर सवाल उठाए हैं। भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता में शाही ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने झारखंड की 4342 पंचायतों के विकास के लिए 2254 करोड़ रुपये भेजे हैं। उन्होंने इसे राज्य गठन के बाद ग्रामीण विकास के लिए दी गई सबसे बड़ी एकमुश्त राशि बताया। शाही के अनुसार, इस फंड से प्रत्येक पंचायत को लगभग 52 लाख रुपये मिलेंगे, जिससे गांवों में स्कूल, अस्पताल, सड़क और

पंचायत भवन जैसी बुनियादी सुविधाओं को मजबूत किया जा सकेगा। उन्होंने राज्य सरकार पर कट कमिशन वाली व्यवस्था चलाने का आरोप लगाते हुए कहा कि राज्य में एक ऐसा तंत्र सक्रिय है, जिसे उन्होंने एमबीए (मंत्री, बिचौलिया, अधिकारी) बताया। शाही ने आशंका जताई कि पंचायतों के लिए भेजी गई राशि पर इस सिंडिकेट की नजर है, जिससे विकास कार्य प्रभावित हो सकते हैं। भाजपा नेता ने राज्य सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि पिछले वित्तीय वर्ष में करीब 33,000 करोड़ रुपये खर्च नहीं हो सके और उन्हें सरेंडर करना पड़ा, जो सरकार



की बड़ी विफलता है। आवास योजना की लेकर उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने 8 लाख अबुआ आवास बनाने का वादा किया था, लेकिन पांच वर्षों में एक भी आवास पूरा नहीं हुआ और न ही किसी लाभुक का गृह प्रवेश

कराया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार अब केंद्र की पीएम आवास योजना की सूची को अबुआ आवास में शामिल करने का दबाव बना रही है, ताकि अपनी कमियों को छिपाया जा सके। नल-जल योजना पर भी उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि झारखंड इस मामले में देश में नीचे से दूसरे स्थान पर है और अब तक केवल 55 प्रतिशत लक्ष्य ही पूरा हो पाया है। गांवों में बनी पानी की टंकियां केवल दिखावे की वस्तु बनकर रह गई हैं। शाही ने यह भी कहा कि आदिम जनजातियों के लिए केंद्र द्वारा भेजी गई 2050 करोड़ रुपये की पीएम जन-मन योजना में भी खर्च की

स्थिति संतोषजनक नहीं है। केंद्र-राज्य संबंधों पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि राज्य सरकार केंद्र पर सौतेले व्यवहार का आरोप लगाती है, जबकि वास्तविकता यह है कि मोदी सरकार के 11 वर्षों में झारखंड को मिलने वाले ग्रांट फंड में 16 गुना तक वृद्धि हुई है। अंत में शाही ने पंचायत प्रतिनिधियों-मुखिया, वार्ड सदस्य, पंचायत समिति सदस्य और जिला परिषद सदस्यों से अपील की कि वे पंचायतों के लिए आई राशि के उपयोग पर नजर रखें और पारदर्शिता सुनिश्चित करें। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि इस फंड में भी गड़बड़ी हुई तो भाजपा इसके खिलाफ आंदोलन करेगी।-

एक नजर

बीएयू : डॉ अरविन्द कुमार सिंह को फेलो अवार्ड



रांची। बिरसा कृषि विश्वविद्यालय के सस्य विज्ञान विभाग के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ अरविंद कुमार सिंह को सोयाबीन अनुसंधान एवं विकास के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए फेलो अवार्ड प्रदान किया गया है। प्रोफेसर जयाशंकर तेलंगाना कृषि विश्वविद्यालय, हैदराबाद में आयोजित सोयाबीन संबंधी अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना की वार्षिक समूह बैठक में यह अवार्ड दिया गया। सोयाबीन सोसाइटी ऑफ रिसर्च एंड डेवलपमेंट, इंदौर द्वारा प्रायोजित यह अवार्ड डॉ अरविन्द को समिति के अध्यक्ष तथा राष्ट्रीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान के निदेशक डॉ केएच सिंह ने हैदराबाद में 7 अप्रैल को प्रदान किया। वह बीएयू में पिछले 22 वर्षों से शिक्षण एवं अनुसंधान कार्यों में लगे हैं।

रांची टेंडर कमीशन घोटाला : दो आरोपियों ने किया आत्मसमर्पण, अदालत ने दी सशर्त जमानत

रांची। झारखंड के चर्चित टेंडर कमीशन घोटाले में बड़ी कानूनी प्रगति सामने आई है। इस मामले के चार्जशीटेट आरोपित राजीव लोचन और अनिल कुमार ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) की विशेष अदालत में आत्मसमर्पण कर दिया। अदालत ने दोनों को एक-एक लाख रुपये के निजी मुचलके पर जमानत दे दी। साथ ही यह शर्त रखी गई है कि दोनों आरोपित हर सुनवाई की तारीख पर अदालत में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहेंगे। दरअसल, इस मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 14 आरोपितों के खिलाफ पूरक चार्जशीट दाखिल की थी। अदालत ने इस पर संज्ञान लेते हुए सभी आरोपितों को समन जारी किया था। अब तक इस प्रकरण में पांच आरोपित अदालत के समक्ष आत्मसमर्पण कर चुके हैं। उल्लेखनीय है कि टेंडर कमीशन घोटाले की जांच ईडी ने वर्ष 2023 में शुरू की थी, जब कई अभियंताओं के ठिकानों पर छापेमारी की गई थी। इसके बाद 6 मई 2024 को दूसरी बड़ी कार्रवाई में अभियंताओं और ठेकेदारों के विभिन्न ठिकानों पर फिर से छापे मारे गए। जांच के दौरान चौकाने वाली नकदी बरामदगी भी हुई थी। पूर्व मंत्री आलमगीर आलम के ओएसडी रहे संजीव लाल के नौकर के ठिकाने से 32 करोड़ रुपये से अधिक नकद बरामद किए गए थे। इसके अलावा ठेकेदार मुन्ना सिंह के यहां से 2.93 करोड़ रुपये और कान्ट्रेक्टर राजीव सिंह के ठिकाने से 2.14 करोड़ रुपये बरामद हुए थे। इतनी बड़ी रकम की बरामदगी के बाद पूर्व मंत्री आलमगीर आलम भी जांच एजेंसी के रडार पर आ गए थे। फिलहाल मामले की जांच जारी है और आने वाले दिनों में और खुलासे होने की संभावना जतायी जा रही है।

एचईसी के कामगारों को 13 अप्रैल को मिलेगा एक माह का वेतन : लीलाधर



रांची। रांची स्थित हेवी इंजीनियरिंग कॉर्पोरेशन (एचईसी) के कर्मचारियों को लंबे इंतजार के बाद 13 अप्रैल को एक महीने का वेतन दिया जाएगा। यह जानकारी हटिया प्रोजेक्ट वर्कर्स यूनियन के महासचिव लीलाधर सिंह ने एक प्रेस विज्ञप्ति में दी। उन्होंने बताया कि एचईसी पिछले कई वर्षों से वित्तीय संकट से जूझ रही है और कामगारों को करीब 29 माह से नियमित वेतन नहीं मिल पाया है। इस कारण कर्मचारियों को बच्चों की फीस, कितारें और रोजमर्रा के खर्चों को लेकर गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। इसी मुद्दे को लेकर श्रमिक संगठनों के नेताओं लीलाधर सिंह, प्रकाश कुमार, रमाशंकर प्रसाद और शनि सिंह ने प्रबंधन के निदेशक (उपादन) और निदेशक (वित्त) से मुलाकात कर जल्द वेतन भुगतान की मांग की थी। प्रबंधन ने दो दिनों का समय लेकर चेयरमैन से चर्चा के बाद निर्णय लेने की बात कही थी। बाद में प्रबंधन की ओर से सूचित किया गया कि संसाधनों की व्यवस्था कर सोमवार, 13 अप्रैल को एक माह का वेतन भुगतान किया जाएगा। साथ ही कामगारों से उत्पादन कार्य बांधित नहीं करने का आग्रह भी किया गया है। श्रमिक संगठनों ने इस निर्णय का स्वागत करते हुए कहा कि इससे कामगारों को कुछ राहत मिलेगी, हालांकि बकाया वेतन के पूर्ण भुगतान की मांग अभी भी जारी रहेगी।

रांची टेंडर कमीशन घोटाला: दो आरोपियों ने किया आत्मसमर्पण, अदालत ने दी सशर्त जमानत

रांची। झारखंड के चर्चित टेंडर कमीशन घोटाले में बड़ी कानूनी प्रगति सामने आई है। इस मामले के चार्जशीटेट आरोपित राजीव लोचन और अनिल कुमार ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) की विशेष अदालत में आत्मसमर्पण कर दिया। अदालत ने दोनों को एक-एक लाख रुपये के निजी मुचलके पर जमानत दे दी। साथ ही यह शर्त रखी गई है कि दोनों आरोपित हर सुनवाई की तारीख पर अदालत में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहेंगे। दरअसल, इस मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 14 आरोपितों के खिलाफ पूरक चार्जशीट दाखिल की थी। अदालत ने इस पर संज्ञान लेते हुए सभी आरोपितों को समन जारी किया था। अब तक इस प्रकरण में पांच आरोपित अदालत के समक्ष आत्मसमर्पण कर चुके हैं। उल्लेखनीय है कि टेंडर कमीशन घोटाले की जांच ईडी ने वर्ष 2023 में शुरू की थी, जब कई अभियंताओं के ठिकानों पर छापेमारी की गई थी। इसके बाद 6 मई 2024 को दूसरी बड़ी कार्रवाई में अभियंताओं और ठेकेदारों के विभिन्न ठिकानों पर फिर से छापे मारे गए। जांच के दौरान चौकाने वाली नकदी बरामदगी भी हुई थी। पूर्व मंत्री आलमगीर आलम के ओएसडी रहे संजीव लाल के नौकर के ठिकाने से 32 करोड़ रुपये से अधिक नकद बरामद किए गए थे। इसके अलावा ठेकेदार मुन्ना सिंह के यहां से 2.93 करोड़ रुपये और कान्ट्रेक्टर राजीव सिंह के ठिकाने से 2.14 करोड़ रुपये बरामद हुए थे। इतनी बड़ी रकम की बरामदगी के बाद पूर्व मंत्री आलमगीर आलम भी जांच एजेंसी के रडार पर आ गए थे। फिलहाल मामले की जांच जारी है और आने वाले दिनों में और खुलासे होने की संभावना जताई जा रही है।

अप्रैल में जनवरी जैसा मौसम, 09 को 14 जिलों के लिए येलो अलर्ट



रांची। राजधानी रांची सहित राज्य के कई जिलों में अप्रैल माह में जनवरी जैसा मौसम देखने को मिल रहा है। बुधवार को रांची सहित आसपास के कई जिलों में 50 से 60 किलोमीटर की गति से तेज हवा के साथ हल्की बारिश दर्ज की गई। इससे तापमान में 05 से 06 डिग्री की गिरावट दर्ज की गई और वातावरण काफी ठंडा हो गया। मौसम विभाग ने 09 अप्रैल को राज्य के 14 जिलों में गर्जन के साथ वज्रपात और ओलावृष्टि की संभावना व्यक्त की है। साथ ही 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चलने की भी संभावना जताई है। विभाग की ओर से इसे लेकर येलो अलर्ट जारी किया गया है। पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में सबसे अधिक तापमान गोंडा में 37.2 डिग्री और सबसे कम तापमान लातेहार में 13.9 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। राज्य के जिन जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है उनमें रांची, खूंटी, रामगढ़, बोकारो, पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, सरायकेला, धनबाद, जामताड़ा, देवघर, दुमका, पाकुड़, साहिबगंज, देवघर और दुमका शामिल है। उल्लेखनीय है कि राजधानी रांची सहित राज्य के विभिन्न जिलों में पिछले 15 दिनों से मौसम में उतार-चढ़ाव देखा जा रहा है। इससे कभी बारिश तो कभी धूप की स्थिति बन रही है। मौसम में बदलाव से राज्य में अधिकतम तापमान में सामान्य से तीन से पांच डिग्री की गिरावट दर्ज की गई है। वहीं, बुधवार को रांची में अधिकतम तापमान 31.8 डिग्री और न्यूनतम 17 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। वहीं जमशेदपुर में अधिकतम 34.8 डिग्री और न्यूनतम 20.2 डिग्री, डाल्टनगंज में अधिकतम 36.8 और न्यूनतम 20.6 डिग्री, बोकारो में अधिकतम 32.5 डिग्री और न्यूनतम 19.6 डिग्री, चाँदबासा में अधिकतम तापमान 34.8 डिग्री और न्यूनतम तापमान 18.6 डिग्री सेल्सियस एवं खूंटी में अधिकतम तापमान 31 डिग्री तथा न्यूनतम तापमान 17.9 रिकार्ड किया गया।

बीएयू

मक्का वैज्ञानिकों की तीनदिवसीय वार्षिक कार्यशाला आज से बिरसा कृषि विवि में

देश भर के लगभग 250 कृषि विशेषज्ञ तैयार करेंगे रोडमैप

नव प्रदेश संवाददाता

रांची। देशभर के 250 से अधिक कृषि वैज्ञानिक बिरसा कृषि विश्वविद्यालय (बीएयू), रांची में 9 से 11 अप्रैल तक आयोजित होने वाली मक्का संबंधी अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना की 69वीं वार्षिक कार्यशाला में भाग लेंगे। उत्पादन, उत्पादकता बढ़ाने और बदलते जलवायु परिदृश्य में मक्का के क्षेत्र विस्तार की रणनीतियों पर चर्चा के साथ-साथ, यह कार्यशाला सतत मक्का उत्पादन के लिए रोडमैप तैयार करेंगे, नई उच्च उपज वाली किस्मों की पहचान करेंगी और वर्ष 2025 के दौरान विभिन्न राज्यों/क्षेत्रों की उपलब्धियों की समीक्षा करेगी। इस कार्यक्रम में स्टार्च, फीड, एथेनॉल, बीज, कृषि



रसायन, कृषि वंत्र से जुड़े उद्योगों के प्रतिनिधि, राष्ट्रीय एवं राज्य बीज निगमों के सदस्य, प्रगतिशील किसान तथा देश के 37 कृषि विश्वविद्यालयों एवं अनुसंधान संस्थानों के वैज्ञानिक भी शामिल होंगे। कार्यशाला की आयोजन

सचिव और बीएयू के आनुवंशिकी एवं पौधा प्रजनन विभाग की अध्यक्ष डॉ मणिगोपा चक्रवर्ती ने बताया कि भारत सरकार के कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग के सचिव तथा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के महानिदेशक डॉ

चिन्नुसामी तथा कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के संयुक्त सचिव पीके मेहरदा शामिल हैं। डॉ मणिगोपा चक्रवर्ती ने बताया कि मक्का देश की सबसे बहुउपयोगी फसलों में से एक है। यह अनाजों में तीसरे स्थान पर है और 1.2 करोड़ हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र में उगाई जाती है। इसका उपयोग चारा, पशु आहार, खाद्य, ऊर्जा और औद्योगिक कार्यों में किया जाता है। वर्तमान में भारत में मक्का का उपयोग मुख्य रूप से फीड (पोल्ट्री 44%, पशु 11%), बायोप्यूल (18%), स्टार्च (12%) तथा प्रत्यक्ष एवं प्रसंस्कृत खाद्य (15%) के रूप में होता है। औद्योगिक उपयोग (85% से अधिक) के कारण, पिछले पाँच वर्षों में मक्का उत्पादन लगभग 6% की वार्षिक वृद्धि दर से बढ़कर

2024झ25 में 43.41 मिलियन टन तक पहुँच गया है। उल्लेखनीय है कि अनाज आधारित फीडस्टॉक से बनने वाले बायोएथेनॉल का लगभग 50% मक्का से प्राप्त होता है।लगभग 3.6 टन प्रति हेक्टेयर की औसत उत्पादकता के साथ, मक्का में उच्च उत्पादन क्षमता है और यह देश में बढ़ती औद्योगिक मांग को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। झारखंड में मक्का लगभग 2 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में उगाया जाता है और इसका उपयोग मुख्य रूप से खाद्य और चारे के रूप में होता है। वर्ष 2024झ25 में राज्य में मक्का का उत्पादन लगभग 7 लाख टन रहा, जबकि उत्पादकता करीब 2.4 टन प्रति हेक्टेयर रही, जो राज्य की कृषि अर्थव्यवस्था में इसकी महत्ता को दर्शाता है।

संक्षिप्त खबरें

खराब ट्रान्सफार्मर ठीक करने गए मिस्री को लगा करंट, गंभीर

माडार। मांडर थाना क्षेत्र के नारा गांव से एक दर्दनाक घटना सामने आई है। बुधवार दोपहर करीब 12 बजे नारा गांव स्थित बर्गीचा के समीप खराब ट्रंफॉर्मर को ठीक करने गए एक बिजली मिस्त्री को अचानक करंट को झटका लग गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को पचायल नारा गांव निवासी 32 वर्षीय आबिद अंसारी के रूप में हूँ है। घटना के बाद स्थानीय लोगों की मदद से उसे इलाज के लिए मांडर रेफरल अस्पताल लाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसकी जायक स्थिति को देखते हुए चिकित्सकों ने उसे स्थिति रेफर कर दिया।

श्यामनगर में बाबा नाम केवलम अखंड कीर्तन

सिल्लों। सिल्लों प्रखंड अंतर्गत
श्यामनगर में बाबा नाम केवलम
आसनांतर्गत सम्पन्न हुआ।
जिसमें अत्यधिक संख्या में आस-
पास के अलावा दूर-दूर तक के
आनन्द मागीयों ने भाग लिया।
बाबा नाम केवलम अखंड कीर्तन
की समाप्ति के बाद साधना, गुरु
पूजा एवं स्वास्थ्या का पाठ हुआ।
साथ ही सास वरिष्ठ हरिपर मंडल
गोष्ठी के संबंध में विस्तार प्रसन्न
चाची की गई। इसके पश्चात् प्रसाद
वितरण एवं नारायण सेवा की गई।
इसका शुभारंभ आनन्द मागी ददा
दीदी आदि के द्वारा प्रभात संगीत
के साथ किया गया।

**खूंटी में लोक अदालत
की तैयारियां तेज, 25
अप्रैल और 9 मई को
होगा आयोजन**

पूट्टी। पूट्टी में आगामी 25 अप्रैल को विशेष लोक अदालत (चेक बाउंड मामलों) और 09 मई को प्रस्तावित राष्ट्रीय लोक अदालत के सफल आयोजन को लेकर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डालसा) की ओर से बुधवार को समन्वय बैठक आयोजित हुई। बैठक प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश रसिकेश कुमार के निर्देशन में संपन्न हुई। इसमें पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय) अखिल नितीश कुजूर सहित जिले के सभी थाना प्रभारी, डालसा के उपप्रकारी और सचिव उपस्थित रहे। बैठक में लोक अदालतों के सफल संचालन के लिए विभिन्न बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की गई। संबंधित पक्षकारों को लोक अदालत में उपस्थित कराने के लिए नोटिस और समन की समय पर तामिला सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया। इसके साथ ही थाना स्तर पर लॉबित मामलों की पहचान कर उन्हें लोक अदालत के माध्यम से निपटाने के लिए अग्रसारित करने का निर्देश दिया गया। नोटिस तामिला की प्रक्रिया को तेज करने और पक्षकारों से संपर्क स्थापित करने के लिए पुलिस अधिकारियों और डीएनएसए के पैरा लीगल वॉलंटियर्स के बीच बेहतर समन्वय बनाने पर भी बल दिया गया। बैठक में उपस्थित सभी पक्षधिकारियों ने लोक अदालतों को सफल बनाने के लिए आपसी तालमेल के साथ कार्य करने और अतिरिक्त समन्वय मामलों का साह्यार्थ से निधारा सुनिश्चित करने का आश्वासन दिया।

नजी। रांची विश्वविद्यालय ने शिक्षा के साथ-साथ स्वास्थ्य और कल्याण के क्षेत्र में भी एक अलग पहल करते हुए मोरहाबादी स्थित एचआरडीसी कैम्प में हेल्थ एडवोकेट्स सेंटर की शुरुआत की है। इस केंद्र का उद्घाटन बुधवार को राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति, रजिस्ट्रार और अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने इस मौके पर कहा कि यह केंद्र विद्यार्थियों, शिक्षकों और कर्मियों के समग्र स्वास्थ्य, शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक और सामाजिक संतुलन को सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने इस पहल के लिए विश्वविद्यालय परिवार को बधाई दी। राज्यपाल ने कहा कि वर्तमान प्रतिस्पर्धी दौर में केवल शैक्षणिक उत्कृष्टता ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि स्वस्थ शरीर और संतुलित मानसिक जीवन ही जरूरी हैं। युवाओं से उन्होंने संतुलित जीवनशैली अपनाने, सकात्मक सोच रखने और नियमित योग, ध्यान व व्यायाम को दिनचर्या में शामिल करने का

सिकिदिरा में राज्यस्तरीय तैराकी प्रतियोगिता के लिए तैराकों का प्रशिक्षण

अनगड़ा। गैर सरकारी संगठन जनकल्याण समर्पण सिफिकेडिरी ने आगामी दो और तीन मई को होने वाली राज्यस्तरीय तैराकी प्रतियोगिता के लिए बुधवार को ट्रावल्स सह प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत की। शिविर में बड़ी संख्या में प्रतिभागियों प्रशिक्षण शिविर से भाग ले रहे हैं। संस्थान के अध्यक्ष सुजीत कुमार ने बताया कि इस प्रकार के शिविर का आयोजन का उद्देश्य अनुभवी प्रशिक्षकों द्वारा ग्रामीण और आसपास के क्षेत्रों में छिपी तैराकी प्रतियोगिताओं को पहचान दिवाना और उन्हें एक मजबूत रूप प्रदान करना है। ताकि वे राज्य से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक अपनी पहचान बना सकें। दो से अधिक जर्मों को तैराकों का महाउत्सव होगा, जिसमें खिलाड़ियों को एक-दूसरे से सीखने और अपनी क्षमता को परखने का अवसर मिलेगा। उन्होंने बताया कि इस वर्ष आयोजित होने वाली यह राज्य स्तरीय प्रतियोगिता बाढ़े स्तर पर आयोजित की जा रही

कचहरी परिसर की तीन दुकानों से हजारों की चोरी

खूटी। खूटी कचहरी परिसर स्थित अंजाम दिया गया है। दुकान ताला तोड़कर चोर हजारों रुपये नगद लेकर फरार हो गए। खास बात यह है कि जहाँ चोरी हुई, उसमें के ही बगल में जिला का गेटो स्थित है और सभी दुकानों जेल गेट से महज कुछ ही दूरी पर हैं। इनके रत चोरों ने कचहरी परिसरसमस्त दुकानों के ताला तोड़कर अंदर प्रवेश किया



आह्वान किया।

राज्यपाल ने मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता पर जोर देते हुए कहा कि तनाव और चिंता जैसी स्थितियों में समय पर परामर्श लेना आवश्यक है। उन्होंने उम्मीद जताई कि यह केंद्र विद्यार्थियों और

विश्वविद्यालय समुदाय को आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान करेगा। साथ ही उन्होंने बताया कि रिम्स और सीआईपी जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों के सहयोग से यह केंद्र प्रभावी ढंग से संचालित होगा। उन्होंने कहा कि देश विकसित

बाल अनुकूल विधिक सेवाओं को लेकर जागरूकता शिविर

पूटी। जिला विधिव संवा प्राधिकरण (डालस) की और सं बुधवार (बाल देखबाल) संस्थान संवयोग ग्राम, हूटर में नालसा योजना झ बच्चों के लिए बाल अनकुल विधिव संवाएं, 2024 विषय पर जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम झालसा की और सं जारी मासिक गतिविधियों के लैंडेर और अनुगमन में और प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश रसिकेश कुमारे के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ। कार्यक्रम में संस्थान में रह रहे बच्चों, शिक्षकों, कर्मचारियों और पैरा लोग वॉलंटियर्स ने सक्रिय रूप से भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन जिला विधिव संवा प्राधिकरण के सचिव की उपस्थिति में किया गया। इस दौरान किशोर न्याय बोर्ड (जेजेबी) और विधिव सहायता रक्षा अथिवाता अमरदीप भी मौजूद थे। जागरूकता शिविर के दौरान बच्चों को नालसा योजना के उद्देश्यों और इसकी प्रमुख विषयोंओं की जानकारी देई गई। बताया गया कि यह योजना देखबाल और संस्थान की आवश्यकता वाले बच्चे और विधिव सं संघर्षरत बच्चों को निःशुल्क, सुलभ और बाल अनुकूल विधिव संवाएं उपलब्ध कराने के लिए बनाई गई है।

है। खास बात यह है कि इस वर्ष प्रतियोगिता में तीन किलोमीटर लंबी दूरी की तैराकी शामिल की गई है। इनाम की राशि बढ़ाए जाने से खिलाड़ियों का उत्साह और बढ़ा है। मौके पर खेल प्रभारी अमन कुमार जायसवाल और पिंकी कुमारारी, महासचिव सत्यपाल राउत, कोषाध्यक्ष रमन कुमार, सोशल मीडिया आईटी प्रभारी संदीप कुमार, प्रवक्ता नृजकिशोर प्रसाद, कुंती देवी, विजय सिंह, अजीत कुमार, मुकेश लोहार, प्रसाद नारायण मुंडा, कमलेश पाहन, पोप आदि उपस्थित थे।

ने बताया कि सुबह जब वे दुकान खोलने पहुँचे, तो शटर का ताला टूटा हुआ मिला। अंदर जाकर देखा तो कैश काफ़ी ससें ने नगदी लगभग साढ़े पाँच हजार रुपये थे जो गायब हैं, जबकि अन्य सामान सुरक्षित थे। इसी प्रकार एक अन्य दुकान कुँदू जेरोक्स से भी लगभग दहाई हजार रुपये नगद चोर लेकर फरार हो गये। इधर, घटना की सूचना मिलते ही खुंटी पुलिस की टीम बुधवार को मौके पर पहुँची और जांच शुरू कर दी है।

लेकर शुभकामनाएं दिए एवम सभी शिक्षकों को गुणवत्ता शिक्षा देने लिए धन्यवाद दिए। मौके पर विद्यालय के शिक्षक शिक्षिकाएं राहुल कुमार मिलन, एन. सी. साहू, जयंत कुमार महतो, रमेश गोरई, किशोर कुमार, अजय चिक बड़ाइक, सीमा झा,

ने बताया कि सुबह जब वे दुकान खोलने पहुँचे, तो शटर का ताला टूटा हुआ मिला। अंदर जाकर देखा तो कैश काउंटर से नगदी लगभग साढ़े पाँच हजार रुपये थे जो गायब हैं, जबकि अन्य सामान सुरक्षित थे। इसी प्रकार एक अन्य दुकान कुँड़ जेरोक्स से भी लगभग ढाई हजार रुपये नगद चोर लेकर फरार हो गये। इधर, घटना की सूचना मिलते ही खूँटी पुलिस की टीम बुधवार को मौके पर पहुँची और जांच शुरू कर दी है।

गौरव बढ़ाया

पदक



अनुराग कुमार, प्रीति नंदा, वंदना कुमारी, प्रीति लता मुंडू, नीता कुमारी, श्वेता सिंह, संयुक्ता सिंह देवे, मंजू कुमारी, ममता गोस्वामी, सिमरन अफसाना, दीपिका कुमारी, प्रतिमा कुमारी एवं सभी छात्र छात्राएँ उपस्थित थे।

भारत के लक्ष्य की ओर अग्रसर है और 'फिट इंडिया' व 'आयुष्मान भारत' जैसे अभियान युवाओं के समग्र विकास को मजबूत दे रहे हैं। यह पहल शिक्षा और स्वास्थ्य के समन्वय का उत्कृष्ट उदाहरण है और अन्य-युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत बनेगी। इस अवसर पर राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव डॉ. नितिन कुलकर्णी ने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य आज एक गंभीर विषय बन चुका है और कई लोग इससे जूझ रहे हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से इस केंद्र का लाभ उठाने और परामर्श लेने में संचोचन करने की अपील की। डॉ. नितिन कुलकर्णी ने आत्महत्या के बढ़ते मामलों पर चिंता जताते हुए कहा कि समय पर मार्गदर्शन और काउंसिलिंग बेहद जरूरी है। साथ ही उन्होंने सुझाव दिया कि केंद्र में नियमित काउंसलर उपलब्ध हों और टेली-काउंसिलिंग की सुविधा विकसित की जाए, ताकि अधिक से अधिक लोग इसका लाभ उठा सकें। उन्होंने यह भी कहा कि 21वीं सदी में तकनीक के प्रभावी उपयोग के माध्यम से स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच को और व्यापक बनाया जा सकता है।

अर्धनिर्मित मकान से युवक का शव बरामद

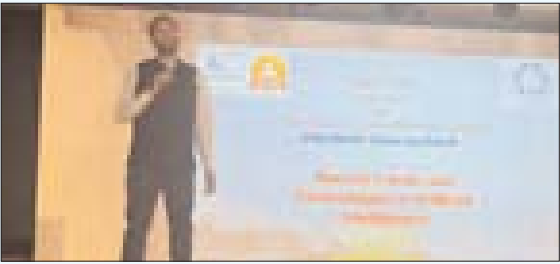
नव प्रदेश संवाददाता

पूतू थाणा क्षेत्र के चटकपुर एजेंडा चौक के सुधीय एक अर्धनिर्मित मकान से बचकर रातू पुलिसनिर्गत एक युवक का शव बरामद किया। ठाणों की पहचान नवासीसो खता टोंगरी निवासी राजकुमार यादव का पुत्र रौशन कुमार (17) के रूप में हुई। इस मामले को लेकर मृतक के पिता ने बताया की रविवार की रात को खाना खाकर अपने कमरे में 11 बजे रात को सोने के लिए चला गया था। सुबह चार बजे जहाँ हमला जगो तो वह घर पर नहीं था। उसके केस में हमलागो ढूँढ रहे थे। ग्रामीणों की सूचना पर पुलिससक को जानकारी मिली - जिससे अर्धनिर्मित मकान में शव पड़ा था। उसी मकान के बगल की एक महिला मंगलवार की शाम को अपने छत पर झाड़ू कर रही थी तो उसने दूसरे घर की छत पर युवक को पड़ा देखा तो इस बात की सूचना अपने एक पड़ोसी को भी दी। इसके बाद बुधवार को ग्रामीणों द्वारा पुलिस को सूचना दी गई।

रातू में तालाब से नरकंकाल बरामद

पूतू। थाना क्षेत्र के सुयानगर कम्पेड स्थित तालाब में बुधवार सुबह आठ बजे के करीब कचड़ा फेंकने गए लोगों ने कंकाल जैसी कुछ देखकर इसकी सूचना आसपास के लोगों को दी। तुरंत ही कंकाल मिलने की बात पूरे क्षेत्र में फैल गई। स्थानीय लोगों द्वारा कंकाल मिलने की सूचना रातू थाना को दी गई। सुचना मिलते ही रातू पुलिस सुयानगर स्थित तालाब पहुंची। कंकाल पानी में डुबा हुआ था। पुलिस द्वारा कंकाल को निकालने के लिए आवश्यक सामान नहीं होने के कारण कंकाल नहीं निकाला जा सका। गुरुवार सुबह कंकाल निकाला जाएगा। ग्राम प्रधान राजेश लकड़ा ने बताया कि कंकाल पुरुष का हो सकता है, कंकाल में सफेद व लाल रंग का चेहरे शर्ट दिखाई दे रहा है वहीं नीचे का हिस्सा काला जैसा है। इस संबंध में रातू थाना प्रभारी अधिकृत महतो ने बताया कि नवकंकाल निकालने के लिए एक बॉक्स की जरूरत होती है जिसकी व्यवस्था नहीं हो पाई थी। अभी शव निकालने को लेकर सभी व्यवस्था कर ली गई है। गुरुवार सुबह कंकाल निकाला जाएगा, उसके बाद सीलबंद कर कंकाल भेजा जाएगा। तब तक के लिए कंकाल को पुलिस की निगरानी में रखा गया है। शव का डीएनए जांच के बाद पता चलेगा कि कंकाल पुरुष का है या फिर महिला का।

उषा मार्टिन विवि में भारतीय ज्ञान परंपरा के माध्यम से जीवन लक्ष्य पर सेमिनार



अनगड़ा। उषा मार्टिन विवि अनगड़ा में बुधवार को भारतीय ज्ञान प्रणाली प्रकोष्ठ द्वारा जीवन का लक्ष्य कैसे प्राप्त करें विषय पर एक सेमिनार का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में बीआईटी मेसरा के प्रो संजय कुमार ने रजस्व, सत्व और तमस के वास्तविक अर्थ को स्पष्ट करते हुए विद्यार्थियों को जीवन के उद्देश्य निर्धारित करने तथा उनके आंतरिक स्वभाव को जीवन लक्ष्यों के साथ जोड़ने पर बल दिया। विवि की कुलपति प्रो मधुलिका कौशिक ने विद्यार्थियों को समग्र सफलता के लिए इन वैदिक सिद्धांतों को अपनाने के लिए प्रेरित किया। डीन अकादमिक प्रो बीएन सिन्हा तथा कैपस निदेशक डॉ अनिल कुमार मिश्रा ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम का संचालन भारतीय ज्ञान प्रणाली प्रकोष्ठ की टीम के समन्वयक डॉ अनुपमा वामा तथा पाठ्यक्रम समन्वयक डॉ शिर्मा कुमार ने किया। धन्यवाद ज्ञापन प्रति कुलपति प्रो मिलिंद ने किया।

अनगड़ा में विधायक मद से तीन योजनाओं का शिलान्यास



अनाइडा। खिउरी विधायक राजेश कच्छप के अग्रशंसा पर बुधवार को विधायक कार्य की पत्नी शिवाजी तिकी ने तीन योजनाओं का शिलान्यास किया। यामना। इसमें बोर्डबंद मुंडा टोली में 400 फीट पीसीसी, सिरका बामना टोली में आनाबद्ध योजना अन्तर्गत 700 फीट पीसीसी एवं इसी गांव में 250 फीट पेबर ब्लॉक सड़क निर्माण कार्य का शिलान्यास किया गया। ससी योजनाओं का निर्माण विधायक मद से किया जाएगा। शिवा तिकी ने कहा कि सड़क कार्य की गुणवत्ता मजबूत हो इसके लिए ग्रामीण समर्थन अनुसारा दीर्घा निगमनी करेंगे। म्येक पर विधायक प्रतिनिधि श्रवण कुमारा मुंडा प्रमुख ठीका परखंड अध्यक्ष एतवार उरांव,विधानसभा सह भागी राजेन्द्र मुंडा, अजय उरांव,खुदिया कच्छप, शिवरास गोस्वामी, रेजाक अंसारी, योगेन्द्र बेदिया, साकिर अंसारी, छोटेलाल महतो, संजय नायक, अजय कलामा, सरिता देवी, शाहनज खानतून, देवकी देवी, अनीता देवी, अलमल अंसारी, बिजय मुंडा, मीनो खान, हिरदू उरांव, साजन उरांव, दशरत पाहन, रवि आदि उपस्थित थे।

विशेष प्रशिक्षण के लिए बनी गांव का चयन



रजनी । मुख्यमंत्री नारायण प्रोसाहन पुरस्कार में चयनित रजनी प्रखंड की नर्सों पंचावत के बर्नई गांव में विशेष गाम सभा के लिए चयनित हुआ है। इस ग्राम सभा का फोल्ड वेरिफिकेशन के लिए पंचायती राज विभाग से सुधीर पाल आए हुए हैं। इस ग्राम सभा में रनियां प्रखंड के प्रखंड विकास पदाधिकारी रनियां, जिला प्रत्येक राजा प्रबंधक खुर्दी, जिला समन्वयक खुर्दी, प्रखंड समन्वयक रनियां, कनिका अभियंता, मुखिया पंचायत सचिव खुर्दी, ग्राम प्रधान, स्कीया से प्रशिक्षण पदाधिकारी, सभी ग्रामीण आदि मौजूद हैं।

खूंटी के 111 गांवों के मोतियाबिंद मरीजों का होगा निःशुल्क ऑपरेशन

वृत्त। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के अन्तस पर संघ की एक टोली को और सं सेवा वर्ष के तहत जनसेवा का विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान की प्रेरणा अविभाजित भारत (अब पाकिस्तान) के दो स्वयंसेवकों और डीएवी शिक्षा क्रांति के पुरोधा महात्मा नारायण दास ग़ोवर और उनके भाई, पीजीअ चंडीदास के प्रख्यात नेत्र सर्जन रहे जो अर्जुन दास ग़ोवर से लो पाई है। कार्यक्रम का नेतृत्व 91 वर्षीय वरिष्ठ स्वयंसेवक पद्मभूषण कटियुता मुंडा और डॉ राजमोहन कर रहे हैं। सेवा अभियान के तहत खुंटो, सिमिटाड़ा, प्रथम सिंधुभूषण और रामोणी गंजी के 111 गांवों में मोतिबाबंद पीड़ितों की पहचान कर उन्हें अस्पताल लकड़ निःशुल्क सर्जरी और फॉलोअप की व्यवस्था की जा रही है। प्रथम चर्चनित राजस्थान का सेवा संलगभग 15-20 मरीजों को लाकर ऑपरेशन कराया जा रहा है। इसकी जानकारी देते हुए एमजीओएस अस्पताल के निदेशक डॉ निर्मल सिंह ने बुधवार को बताया कि इस अभियान के तहत अब तक 07 गांवों के विरसाहत समाज के 115 से अधिक मरीजों की मोतिबाबंद सर्जरी की जा चुकी है। मरीजों को अस्पताल तक लानेछले जाने, भोजन, दवा, वस्त्र (साड़ी, धोती, कंबल) और ऑपरेशन से पहले और बाद की सहायता सुविधाएँ पूरी तरह निःशुल्क उपलब्ध कराई जा रही हैं। कई मरीजों को 50 से 245 किलोमीटर दूर से लाकर इलाज कराया गया। अभियान में अब तक 17 नेत्र सर्जनों मानद सेवाएं दी हैं। इन्हें जनजातीय सर्जन डॉ दीपक मल्लान लकड़ा, डॉ सानूवेल अमन टोनी, शंकर नेत्रालय डॉ डॉ आदिब सहित अन्य चिकित्सकों शामिल हैं। चंडीदास स्थित ग़ोवर आर्होसपिटल के रेडित विशेषज्ञ डॉ रहित ग़ोवर और डॉ अंशु ग़ोवर भी अर्नलाइज्ड परामर्श के माध्यम से सहायता दे रहे हैं।

अजीबान अजिबान का कार्यालय नैजद एंव रवाकता अजल, हजारीबाग ।
 डील रोड, सीडवाडसीएफडी जैंग के बगल में,फोन नं०- 06546-262811
 ई-मेल- sedwsd.hazaribagh@gmail.com

[illegible]

संपादकीय



14 दिन का युद्धविराम

अमेरिका और ईरान के बीच अचानक घोषित 14 दिन का युद्धविराम केवल एक सैन्य विराम नहीं, बल्कि वैश्विक राजनीति, अर्थव्यवस्था और कूटनीति के जटिल समीकरणों का परिणाम है। 28 फरवरी को शुरू हुए ऑपरेशन एपिक प्सूरी के समय यह माना जा रहा था कि अमेरिका अपनी सैन्य ताकत के बल पर ईरान को शीघ्र झुका देगा। लेकिन छह हफ्तों तक चले हमलों और जवाबी कार्रवाई ने इस धारणा को पूरी तरह बदल दिया। अंततः अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को पीछे हटते हुए संघर्षविराम स्वीकार करना पड़ा, जो इस युद्ध का सबसे बड़ा और अप्रत्याशित मोड़ है। इस पूरे घटनाक्रम ने यह स्पष्ट कर दिया कि आधुनिक युद्ध केवल सैन्य शक्ति से नहीं जीते जाते, बल्कि भू-राजनीतिक, आर्थिक और सामरिक संतुलन भी उतना ही महत्वपूर्ण होता है। ईरान ने सीमित संसाधनों के बावजूद जिस तरह से होर्मुज जलडमरूमध्य पर अपनी पकड़ बनाए रखी और लगातार मिसाइल एवं ड्रोन हमले जारी रखे, उसने अमेरिका की रणनीति को चुनौती दी। होर्मुज जलडमरूमध्य वैश्विक तेल आपूर्ति की धुरी है, और इसके अवरुद्ध होने से अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल कीमतों में उछाल आया, जिससे अमेरिका पर अप्रत्यक्ष दबाव बढ़ा। ट्रंप के पीछे हटने के पीछे कई कारण रहे। पहला, युद्ध के लंबा खिंचने का खतरा। अमेरिका पहले ही अफगानिस्तान, इराक और वियतनाम जैसे लंबे युद्धों का अनुभव कर चुका है, और ट्रंप अपने मतदाताओं से अनंत युद्धों से दूर रहने का वादा कर चुके थे। दूसरा, आर्थिक दबाव-तेल की बढ़ती कीमतों ने वैश्विक अर्थव्यवस्था को अस्थिर किया, जिसका सीधा असर अमेरिका पर भी पड़ा। तीसरा, रणनीतिक चूक--अमेरिका ने ईरान की क्षमता और दृढ़ता को कम आंक लिया। इस संघर्षविराम की एक महत्वपूर्ण विशेषता यह भी है कि इसमें चीन और पाकिस्तान जैसे देशों की मध्यस्थता ने अहम भूमिका निभाई। विशेषकर चीन, जो ईरान का बड़ा व्यापारिक साझेदार है, ने न केवल कूटनीतिक स्तर पर हस्तक्षेप किया, बल्कि युआन में तेल व्यापार को बढ़ावा देकर डॉलर के वर्चस्व को चुनौती देने का प्रयास भी किया। यह संकेत है कि वैश्विक आर्थिक शक्ति संतुलन धीरे-धीरे बदल रहा है। ईरान इस संघर्षविराम को अपनी जीत के रूप में प्रस्तुत कर रहा है, और कुछ हद तक यह दावा निराधार भी नहीं है। जिन शक्तों को अमेरिका पहले अस्वीकार कर चुका था, उन्हीं पर सहमति बनना ईरान की कूटनीतिक सफलता को दर्शाता है। वहीं, इराइल जैसे सहयोगी देश इस समझौते को लेकर पूरी तरह संतुष्ट नहीं दिख रहे, जिससे भविष्य में पन तनाव की आशंका बनी हुई है। आगे का रास्ता अनिश्चित है। इस्लामाबाद में प्रस्तावित वार्ता इस संघर्ष को स्थायी समाधान की दिशा दे सकती है, लेकिन यह भी स्पष्ट है कि 14 दिन का यह विराम केवल एक अस्थायी ठहराव है, न कि अंतिम समाधान। फिर वार्ता फिफल होती है, तो होर्मुज जलडमरूमध्य फिर से तनाव का केंद्र बन सकता है। यह युद्धविराम आधुनिक वैश्विक व्यवस्था की जटिलताओं को उजागर करता है। यह दिखाता है कि सैन्य शक्ति के साथ-साथ आर्थिक, कूटनीतिक और रणनीतिक संतुलन भी निर्णायक भूमिका निभाते हैं। आने वाले दिन यह तय करेंगे कि यह विराम स्थायी शक्ति को और बढ़ता है या एक और बड़े संघर्ष की भूमिका तैयार करता है।

मुद्दा : लघु कथाराघव चट्टा से दूरी : आप में दरार!

डॉ. अनिल कुमार निमम

आम आदमी पार्टी (आआपा) के राज्यसभा सांसद राघव चट्टा को पार्टी के भीतर जिस तरह हाथिए पर धकेला गया है, उसने न केवल उनके राजनीतिक भविष्य बल्कि पार्टी की आंतरिक स्थिति पर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। उन्हें राज्यसभा में नेता पद से हटाया जाना महज एक संगठनात्मक निर्णय नहीं, बल्कि एक बड़े राजनीतिक संकेत के रूप में देखा जा रहा है। हालांकि राघव चट्टा अभी भी पार्टी में बने हुए हैं, लेकिन पार्टी नेतृत्व और उनके बीच बढ़ती दूरी अब छिपी नहीं है। पार्टी नेताओं द्वारा उनकी पार्टी लाइन से विचलन पर की गई तीखी आलोचना और दूसरी ओर राघव का सोशल मीडिया के माध्यम से खुद को जनहित के मुद्दों का पक्षधर बनाना, स्पष्ट संकेत देता है कि दोनों पक्षों के बीच वैचारिक और रणनीतिक मतभेद गहरा चुके हैं। राघव चट्टा पार्टी के शुरुआती दौर से जुड़े रहे हैं और उन्हें थिक टैक के रूप में देखा जाता था। ऐसे में उनकी भूमिका को लेकर उत्पन्न अनिश्चितता केवल एक व्यक्ति का संकेत नहीं, बल्कि संगठनात्मक असंतुलन का प्रतीक बनती जा रही है। यह पहली बार नहीं है जब पार्टी के किसी प्रमुख चेहरे ने दूरी बनाई हो। पिछले एक दशक में कई बड़े नेताओं का पार्टी से अलग होना एक पैटर्न की ओर इशारा करता है। शाजिया इस्मी, प्रज्ञात भूषण, योगेंद्र यादव, कुमार विश्वास, आशुतोष, अलका लांबा जैसे नाम केवल व्यक्ति नहीं बल्कि वे ऐसी शोखस्यत थीं जिन्होंने कभी पार्टी की वैचारिक दिशा तय की थी। लगातार हो रहे इन प्रश्नानों से यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि समस्या व्यक्तियों में थी या फिर पार्टी की कार्यशैली और नेतृत्व शैली में कोई मूलभूत कमी है। एक-एक कर पार्टी छोड़ चुके नेताओं ने पार्टी सुप्रीमो एंव दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर गंभीर आरोप लगाए थे कि उनकी व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा के चलते पार्टी दिशा भ्रमित हो गई है। आम आदमी पार्टी की शुरुआत 2012 में भ्रष्टाचार के खिलाफ एक जनांदोलन से हुई थी, जिसका मूल आधार पारदर्शिता, जवाबदेही और आंतरिक लोकतंत्र था। दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि आआपा के कई नेता अरविंद केजरीवाल, मनीष सिंसोदिया और सत्येंद्र जैन को भ्रष्टाचार के आरोपों में जेल जाना पड़ा, हालांकि अभी उन पर अदालत से दोष सिद्ध नहीं हुआ, लेकिन नि:स्पंदेह, इससे पार्टी की छवि पर घबा तो लगा है। कई पूर्व नेताओं ने खुलकर यह कहा कि पार्टी में निर्णय कुछ चुनिंदा लोगों तक सीमित हो गए हैं। इससे न केवल अरहमति की जगह कम हुई, बल्कि संवाद की संस्कृति भी प्रभावित हुई। परिणामस्वरूप, संगठन के भीतर विचारों की विविधता की जगह टकराव ने ले ली। दिल्ली और पंजाब में सत्ता हासिल करने के बाद पार्टी का तेजी से विस्तार हुआ, लेकिन इस विस्तार के साथ मजबूत संगठनात्मक ढांचे की जरूरत भी लगी। विधेक्षकों का मानना ​​है कि पार्टी इस चुनौती से पूरी तरह नहीं निपट सकी। समन्यवी की कमी, संवादहीनता और नेतृत्व पर अत्यधिक निर्भरता ने कई बार आंतरिक असंतोष को जन्म दिया। राघव चट्टा को पार्टी के युवा और शिक्षित चेहरे के रूप में प्रस्तुत किया गया। वे रणनीतिकार, प्रवक्ता और संसदीय नेता के रूप में सक्रिय रहे हैं। हालांकि, वर्ष 2023 में उन पर राज्यसभा में झफ्फर्जी हस्ताक्षररूप से जुड़ा विवाद भी सामने आया, जिसके कारण उन्हें निलंबन झेलना पड़ा। उन्होंने इन आरोपों को राजनीतिक साजिश बताया। महत्वपूर्ण यह है कि पार्टी ने कभी भी उनके खिलाफ भ्रष्टाचार या अनुशासनहीनता का औपचारिक आरोप नहीं लगाया, फिर भी उन्हें पद से हटाया जाना इस बात का संकेत है कि असहमति को किस तरह देखा जा रहा है यह पूरा घटनाक्रम एक बड़े प्रश्न की ओर ले जाता है। क्या आम आदमी पार्टी में आंतरिक लोकतंत्र कमजोर हो रहा है? क्या पार्टी में वैकल्पिक विचारों के लिए पर्याप्त जगह है? जब भी कोई वरिष्ठ नेता अहममति जताता है और अंततः विनारे हो जाता है, तो यह केवल व्यक्तिगत विवाद नहीं रह जाता, बल्कि संसदीय संरचना पर प्रश्नचिह्न बन जाता है।



नरेन्द्र मोदी

यह समय सामूहिक संकल्प का है। यह किसी एक सरकार, एक दल या एक व्यक्ति का विषय नहीं है। यह पूरे राष्ट्र का विषय है। हमें मिलकर इस कदम के महत्व को समझना है और मिलकर ही इसे साकार करना है। यही हमारी नारी शक्ति के प्रति हमारा दायित्व भी है, इसलिए महिला आरक्षण बिल को पारित कराने के लिए सहमति बहुत जरूरी है। इसे बड़े राष्ट्रीय हित को ध्यान में रखकर देखा जाना चाहिए। ऐसे अवसर हमें यह याद दिलाते हैं कि कुछ फैसले अपने समय से बड़े होते हैं।



डॉ प्रभात ओझा

ट्रंप का अल्टीमेटम खत्म होने से पहले सुरक्षा परिषद में होर्मुज खोलने पर बहरीन की तरफ से आया प्रस्ताव गिर गया। इस पर वोटिंग में रूस और चीन ने वीटो कर दिया। और तो और, जिस पाकिस्तान के मध्यस्थ होने की खबर है, वह मतदान से गैरहाज़िर रहा। पाकिस्तान इस समय सुरक्षा परिषद का अस्थायी सदस्य है।

आइए, हम मिलकर भारत की नारी शक्ति को सशक्त करें

21वीं सदी की विकास यात्रा में हमारा भारत एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक क्षण की ओर आगे बढ़ रहा है। आने वाले दिनों में हम अपने लोकतंत्र को और मजबूत करने वाली एक बड़ी पहल के साक्षी बनने वाले हैं। यह ऐसा अवसर है, जब समानता, समावेशन और जनभागीदारी के प्रति हमारी राष्ट्रीय प्रतिबद्धता एक नए रूप में सामने आएगी। यह ऐसा समय है, जब हमारे देश की संसद को एक महत्वपूर्ण दायित्व निभाना है। उसे ऐसा कदम आगे बढ़ाना है, जो हमारे लोकतंत्र को अधिक व्यापक एवं और अधिक प्रतिनिधिक बनाए। संसद का यह निर्णय महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी को नई शक्ति देगा और लोकसभा और विधानसभाओं संस्थाओं में उनका उचित स्थान सुनिश्चित करेगा।

यह क्षण इसलिए भी विशेष है, क्योंकि यह ऐसे समय में आ रहा है जब देश का वातावरण उत्सव, नवीनता और सकारात्मकता से भरा हुआ है। आने वाले दिनों में भारत के अलग अलग हिस्सों में अनेक पर्व मनाए जाएंगे। असम के लोग रंगाली बिहू मनावने वाले हैं और ओडिशा में महा विशुबा पणा संक्रांति का उत्सव मनाया जाएगा। पश्चिम बंगाल में पोइला बैशाख के साथ बंगाली नववर्ष की शुरुआत होगी। केरलम में विषु पूरे उत्साह के साथ मनाया जाएगा। तमिलनाडु के लोग उत्सुकता से पुथांडु की प्रतीक्षा कर रहे हैं, तो पंजाब और उत्तर भारत के अन्य हिस्सों में लोगों को बैसाखी के पर्व का इंतजार है। हमारे ये पावन पर्व हर किसी में एक नई आशा का संचार करने वाले हैं। भारत के साथ-साथ दुनियाभर में इन त्योहारों को मनाने वाले सभी लोगों को मैं हृदय से शुभकामनाएं देता हूं। मैं ये कामना करता हूं कि ये दिव्य और पावन अवसर हम सभी के जीवन में सुख-समृद्धि लेकर आए। इसी दौरान 11 अप्रैल से महात्मा फुले की 200वीं जयंती के समारोह भी शुरू होंगे। 14 अप्रैल को हम भारतवर्सी डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की जयंती मनाएंगे। ये दोनों तिथियां अत्यधिक महत्वपूर्ण हैं, जिन्होंने आधुनिक होते भारत की दिशा तय की हैं।

इन्हीं प्रेरणादायी अवसरों के बीच, 16 अप्रैल को संसद की ऐतिहासिक बैठक होगी। महिला आरक्षण को लागू करने से जुड़े महत्वपूर्ण विधेयक पर चर्चा के बाद उसे पारित कराने के लिए विशेष सत्र बुलाया गया है। इसे सिर्फ



एक विधायी प्रक्रिया कहना इसके महत्व को कम करके आंकना होगा। यह भारतवर्ष की करोड़ों महिलाओं की आकांक्षाओं का प्रतिबिंब है।

हमारी नारीशक्ति देश की लगभग आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करती है। उन्होंने रंगाली बिहू मनावने वाले हैं और ओडिशा में महा विशुबा पणा संक्रांति का उत्सव मनाया है। आज देश के हर सेक्टर में नारीशक्ति मिसाल बन रही है। साइंस एंड टेक्नोलॉजी से लेकर एंटरप्रेन्योरशिप तक, खेल के मैदान से लेकर सशस्त्र बलों तक और संगीत से लेकर कला के क्षेत्र में महिलाएं अपनी सशक्त पहचान बना रही हैं। हमारी माताएं-बहनें और बेटियां देश की प्रगति में अग्रणी भूमिका निभा रही हैं।

हमारे पारंपरिक मूल्य बताते हैं कि कोई भी समाज तभी प्रगति करता है, जब माताओं-बहनों को आगे बढ़ने के ज्यादा से ज्यादा मौके मिलते हैं। इसी सोच के साथ बीते 11 वर्षों में महिला सशक्तिकरण के लिए एक अनूकूल माहौल तैयार करने पर जोर दिया गया है, इसके लिए निरंतर प्रयास किए गए हैं। शिक्षा तक बढ़ती पहुंच, बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं, वित्तीय समावेशन में बढ़ोतरी और बुनियादी सुविधाओं तक बेहतर पहुंच ने आर्थिक और सामाजिक जीवन में महिलाओं की भागीदारी को मजबूती दी है। लेकिन ये भी सच्चाई है कि इन सारे प्रयासों के बावजूद भी राजनीति और विधायी संस्थाओं में महिलाओं प्रतिनिधित्व समाज में उनकी भूमिका के अनुरूप नहीं रहा है। इस विधेयक पर चर्चा के बाद उसे पारित कराने के लिए विशेष सत्र बुलाया गया है। इसे सिर्फ

निर्णयों में हिस्सा लेती हैं, तो उनका अनुभव और विजन बहुत काम आता है। इससे चर्चा तो समृद्ध होती ही है, क्वालिटी ऑफ गर्नैंस में सुधार भी होता है। महिलाओं की भागीदारी बढ़ाना केवल प्रतिनिधित्व का विषय नहीं है, ये हमारे लोकतंत्र को अधिक संवेदनशील, अधिक संतुलित और अधिक उत्तरदायी बनाने का प्रयास है।

पिछले कई दशकों में लोकतांत्रिक संस्थाओं में महिलाओं को उनका उचित स्थान दिलाने के लिए बार-बार प्रयास हुए हैं। समितियां गठित की गईं, विधेयकों के मसौदे प्रस्तुत किए गए, लेकिन वे कभी पारित नहीं हो सके। फिर भी, इस बात पर व्यापक सहमति रही है कि विधायी निकायों में महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ाना चाहिए। सितंबर 2023 में संसद ने सर्वसम्मति से नारी शक्ति वर्दन अधिनियम पारित किया था। यह मेरे जीवन के सबसे विशेष अवसरों में से एक रहा है। अब जरूरत है कि 2029 के लोकसभा चुनाव और आने वाले समय में राज्यों के विधानसभा चुनाव महिला आरक्षण के प्रावधानों के साथ कराए जाएं।

महिलाओं के लिए आरक्षण सुनिश्चित करने का यह अवसर हमारे संविधान की मूल भावना के साथ गहराई से जुड़ा है। हमारे संविधान निमाताओं ने एक ऐसे समाज की कल्पना की थी, जहां समानता न केवल संविधान में निहित हो, बल्कि उसे व्यवहार में भी लाया जाए। विधायी संस्थाओं में महिलाओं की भागीदारी को सुनिश्चित करना, उस परिकल्पना को साकार करने की दिशा में एक अहम कदम है। यह एक ऐसे

समाज के निर्माण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रतीक है, जिसमें राष्ट्र का भविष्य तय करने में प्रत्येक नागरिक की समान भूमिका हो।

अब इस निर्णय को और टाला नहीं जा सकता। दशकों से इसकी आवश्यकता को स्वीकार किया गया है। इस पर चर्चा हुई है, इसे बार बार दोहराया गया है। अगर अब भी हम इसे आगे टालते हैं, तो उसका अर्थ यही होगा कि हम उस असंतुलन को और लंबा खींच रहे हैं, जिसे हम पहचानते भी हैं और सुधारने की क्षमता भी रखते हैं। आज भारत पूरे आत्मविश्वास और दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है। इसलिए ये जरूरी है कि हमारी संस्थाएं सभी नागरिकों, विशेष रूप से हमारी आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करने वाली महिलाओं की आकांक्षाओं का सम्मान करें। इससे न सिर्फ दशकों पुराना संकल्प पूरा होगा, बल्कि विकास की गति को बनाए रखने में भी बहुत मदद मिलेगी। यह हमारे लोकतंत्र की अधिक उत्तरदायी बनाने और भविष्य के अनुरूप तैयार करने की दिशा में एक अहम कदम होगा।

यह समय सामूहिक संकल्प का है। यह किसी एक सरकार, एक दल या एक व्यक्ति का विषय नहीं है। यह पूरे राष्ट्र का विषय है। हमें मिलकर इस कदम के महत्व को समझना है और मिलकर ही इसे साकार करना है। यही हमारी नारी शक्ति के प्रति हमारा दायित्व भी है, इसलिए महिला आरक्षण बिल को पारित कराने के लिए सहमति बहुत जरूरी है। इसे बड़े राष्ट्रीय हित को ध्यान में रखकर देखा जाना चाहिए। ऐसे अवसर हमें यह याद दिलाते हैं कि कुछ फैसले अपने समय से बड़े होते हैं। वे आने वाली पीढ़ियों की दिशा तय करते हैं। वे हमें याद दिलाते हैं कि लोकतंत्र की असली ताकत समय के साथ खुद को और अधिक न्यायपूर्ण और अधिक समावेशी बनाने की क्षमता में होती है।

संसद का यह ऐतिहासिक सत्र करीब आ चुका है। मैं सभी दलों के सांसदों से हमारी नारीशक्ति के लिए इस महत्वपूर्ण कदम का समर्थन करने का आग्रह करता हूं। हम जिम्मेदारी और दृढ़ संकल्प के साथ इस दायित्व को पूरा करें। आइए, हम अपने लोकतंत्र की सर्वोच्च परंपराओं के अनुरूप इसमें अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें।

(लेखक भारत के प्रधानमंत्री हैं)

ईरान करता बड़े पलटवार, अमरीका दोस्तों से ही लाचार



आधिकारिक रूप से दोनों पक्षों के घोषित प्रतिनिधि आमने-सामने बैठेंगे। स्वाभाविक है कि इतनी भयावह तल्खी के बाद सहमति के लिए लेनदेन भी होगी। इस ह्ददालीहू में मध्यस्थ को क्या मिलेगा, यह भी देखना है। अब मध्यस्थता अथवा दलाली मुख्य प्रश्न नहीं है। प्रश्न है कि किन परिस्थितियों में संघर्ष रोकना पड़ा। शहबाज शरीफ और आसिम मुनीर के कहने भर से यह हो गया, प्रारम्भिक तौर पर दुनिया में इसे कोई नहीं मान रहा। अभी तो राष्ट्रपति ट्रंप की बेचारी और लाचारी ही दिख रही है। इसे समझने के लिए युद्ध विराम पर इजराइल के पहले बयान पर नजर डालनी चाहिए। बयान के एक हिस्से में कहा गया है, हूज़राइल अमरीका की उस

कोशिश का समर्थन करता है जिसमें यह सुनिश्चित करना है कि ईरान अब परमाणु हथियार, मिसाइल या आतंक का खतरा न बने। न अमरीका के लिए, न इजराइल के लिए, न ईरान के अरब पड़ोसियों के लिए और न ही दुनिया के लिए ह्द दरअसल, ईरान खतरा न बने, यह तो बातचीत के रख से तय होगा। अभी वह अपने उन पड़ोसियों के लिए खतरा जरूर है, जहां अमरीकी अड्डे हैं। ईरान ने युद्ध के दौरान साफ कर दिया था कि वह अपने ह्वापड़ोसी भाइयों पर नहीं बल्कि उनके यहां अमरीकी ठिकानों पर हमले कर रहा है। यही नहीं, ईरान ने ट्रंप की ताजा धमकी के बाद मध्य एशिया के विभिन्न देशों में मौजूद महत्वपूर्ण पुलों,

जैसे कुवैत का शेख अल अहमद अल सबाह सी ब्रिज, सऊदी अरब और बहरीन को जोड़ने वाला किंग फहद कॉज्वे, जार्डन का किंग हूसेन ब्रिज, दामिया और अब्दौलैन ब्रिज को निशाने पर रखा था। उसने इजराइल के परमाणु ठिकानों और मध्य एशिया की कई रिफाइनरीज पर भी हमले की योजना बना ली। इसमें दो राय नहीं हो सकती कि ये सम्बंधित देश ट्रंप पर युद्ध रोकने का दबाव बढ़ा रहे थे। बातचीत किस दिशा में जाएगी, इस पर अभी कुछ कहा नहीं जा सकता। फिलहाल तो अमरीका की लाचारी को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में आए होर्मुज प्रस्ताव से भी समझा जा सकता है। ट्रंप का अल्टीमेटम खत्म होने से पहले सुरक्षा परिषद में होर्मुज खोलने पर बहरीन की तरफ से आया प्रस्ताव गिर गया। इस पर वोटिंग में रूस और चीन ने वीटो कर दिया। और तो और, जिस पाकिस्तान के मध्यस्थ होने की खबर है, वह मतदान से गैरहाज़िर रहा। पाकिस्तान इस समय सुरक्षा परिषद का अस्थायी सदस्य है। परिणाम यह रहा कि होर्मुज को खुलवाने के अमरीकी इरादे को धक्का पहुंचा। बातचीत के परिणाम का इंतजार करना होगा, अभी तो अमरीका अब तक दुश्मन रहे ईरान के पुनर्निर्माण में मदद करने का भी वचन दे रहा है। चालाक और अस्थिर ट्रंप आगे क्या करें, इसका भी भरोसा नहीं। फिलहाल तो ये लाचार ही लग रहे हैं।

(लेखक, वरिष्ठ पत्रकार हैं।)

कैसे सेहत और पर्यावरण को नुकसान पहुंचाते स्ट्रा



विवेक शुक्ला

विशेषज्ञ मानते हैं कि बगास से बने स्ट्रों के कई फायदे हैं। जैसा कि ये पूरी तरह प्लास्टिक-मुक्त और गैर-विषैले होते हैं, इनमें हानिकारक रसायन नहीं होते और ये प्राकृतिक रूप से नष्ट हो जाते हैं और घर पर भी गल सकते हैं। ये कृषि अपशिष्ट से बनाए जाते हैं, जिससे बेकार चीज उपयोगी बन जाती है।

हम सब अपने पसंदीदा पेय -ठंडी कॉफी, ताजा नींबू पानी या कोक को पीने के लिए स्ट्रों का इस्तेमाल बिना एक पल सोचे कर लेते हैं। ये हमें सुविधाजनक, साफ-सुथरा और सुरक्षित लगता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि यह छोटा-सा प्लास्टिक या पेपर स्ट्रों हमारी सेहत और पर्यावरण दोनों को चूषचाप नुकसान पहुंचा रहा है? इन छोटे से स्ट्रों का केवल कुछ मिनटों के लिए इस्तेमाल होता है, इसलिए इनसे होने वाले नुकसान की कोई चर्चा ही नहीं हो पाती है। लेकिन दुनिया भर में हर दिन इस्तेमाल किए जाने वाले स्ट्रा समुद्र तट और महासागर की सफाई के दौरान सबसे आम कचरे में से एक होते हैं। अपने छोटे और हल्के आकार के कारण स्ट्रों की शायद ही कभी रिसायक्लिंग होती हो। ये नलियों, समुद्रों और कचरा स्थलों (लैंडफिल) में पहुंच जाते हैं, जहां ये सैकड़ों साल तक बने रह सकते हैं। राजधानी के पर्यावरणविद् और उद्यमी गुरसेव चवला कहते हैं, भारत में हमारी बड़ी आबादी और बढ़ती कैफे कल्चर के कारण स्ट्रों का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है, जिससे समस्या और गंभीर हो रही है। कुछ साल पहले, दुनिया के कई हिस्सों में प्लास्टिक स्ट्रों पर प्रतिबंध लगना शुरू हुआ, जिसका लोगों ने स्वागत किया। इसके बाद पेपर और मकई से बने

प्लास्टिक के स्ट्रों बाजार में आए और उन्हें पर्यावरण के अनुकूल विकल्प के रूप में देखा गया। लेकिन लोगों की धारणा और वास्तविकता के बीच अंतर है। चवला ने इस विषय की गहराई से रिसर्च की। कई देशों का दौरा किया। उन्होंने जो पाया, वह चौंकाने वाला और चिंताजनक था। अपनी शोध की यात्रा ने उन्हें कामापैक्स नामक कंपनी शुरू करने के लिए प्रेरित किया, जो गन्ने के अपशिष्ट से बने स्ट्रों बनाती है। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि उन्होंने आमतौर पर इस्तेमाल होने वाले स्ट्रों के पीछे छिपी सच्चाइयों के बारे में जागरूकता बढ़ाने का काम किया। प्रख्यात चिकित्सक और इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) के पूर्व अध्यक्ष डॉ. विनय अग्रवाल कहते हैं, कई पेपर स्ट्रों में रसायन होते हैं, जिन्हें फॉरएवर केमिकल्स भी कहा जाता है। ये आसानी से नष्ट नहीं होते और लंबे समय तक पर्यावरण और हमारे शरीर में बने रह सकते हैं। इन्हें नष्ट करने के लिए विशेष औद्योगिक परिस्थितियों की जरूरत होती है, जो भारत के अधिकांश शहरों में उपलब्ध नहीं हैं।

प्लास्टिक स्ट्रों क्यों हानिकारक हैं

प्लास्टिक स्ट्रों सबसे अधिक इस्तेमाल होने वाली एकल-उपयोग (सिंगल-यूज)



वस्तुओं में से एक हैं। जब ये गर्मी, धूप या नींबू पानी जैसे अम्लीय पेय के संपर्क में आते हैं तो ये माइक्रोप्लास्टिक नामक छोटे कण छोड़ जाते हैं। माइक्रोप्लास्टिक बहुत औद्योगिक परिस्थितियों की जरूरत होती है, जो हमारे भोजन और पेय के माध्यम से हमारे शरीर में प्रवेश कर सकते हैं। प्लास्टिक में ऐसे रसायन भी होते हैं जो हमारे हार्मोन को प्रभावित कर सकते हैं और समय के साथ हमारी सेहत को तबाह करने लगते हैं। एक स्ट्रों भले ही नुकसानदेह न लगे, लेकिन इसके निर्मित इस्तेमाल से इसका

प्रभाव बढ़ता जाता है और यह एक गंभीर चिंता का कारण बन सकता है। यह दिखाता है कि केवल प्लास्टिक को किसी अन्य सामग्री से बदलना पर्याप्त नहीं है-विकल्प वास्तव में सुरक्षित और टिकाऊ होना चाहिए।

बेहतर विकल्प क्या

यहीं पर गन्ने के से बने स्ट्रों एक बेहतर विकल्प के रूप में सामने आते हैं। बीस का हिंदी अर्थ खोई है, जो गन्ना या ज्वार का रस निकालने के बाद बचा हुआ सूखा,

रोशेदार अवशेष होता है। यह मुख्य रूप से चीनी मिलों में इंधन, बिजली उत्पादन, कागज, लुगदी और पर्यावरण-अनुकूल पैकेजिंग सामग्री (डिस्पोजेबल प्लेट, कप) बनाने के लिए एक नवीकरणीय स्रोत के रूप में उपयोग किया जाता है। सबसे बड़ी बात यह है कि यह भारत में आसानी से उपलब्ध है। आप इसे देश के बड़े चीनी उद्योग का उप-उत्पाद कह सकते हैं। विशेषज्ञ मानते हैं कि बगास से बने स्ट्रों के कई फायदे हैं। जैसा कि ये पूरी तरह प्लास्टिक-मुक्त और गैर-विषैले होते हैं, इनमें हानिकारक रसायन नहीं होते और ये प्राकृतिक रूप से नष्ट हो जाते हैं और घर पर भी गल सकते हैं। ये कृषि अपशिष्ट से बनाए जाते हैं, जिससे बेकार चीज उपयोगी बन जाती है। ये रोजमर्रा के उपयोग के लिए पर्याप्त मजबूत होते हैं और पेय में कोई हानिकारक पदार्थ नहीं छोड़ते।

क्या यह बड़े स्तर पर संभव है?

सबसे अच्छी बात ये यह है कि बगास आध्यातित उत्पादों का उत्पादन पहले से ही बढ़ रहा है। पर्यावरण अनुकूल विकल्पों की बढ़ती मांग और सिंगल-यूज प्लास्टिक पर सख्त नियमों के कारण कई व्यवसाय अब ऐसे विकल्प अपनाने लगे हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि आज के

उपभोक्ता अधिक जागरूक हो रहे हैं। वे उन ब्रांड्स को पसंद करते हैं जो वास्तव में पर्यावरण की परवाह करते हैं। व्यवसायों के लिए सुरक्षित विकल्प अपनाने से विश्वास और ब्रांड छवि दोनों में सुधार हो सकता है।

क्या बदलने की जरूरत है

सरकारी नीतियां भी इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। केवल प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगाना पर्याप्त नहीं है। यह स्पष्ट होना चाहिए कि सुरक्षित और कम्पोस्टेबल किसे कहा जाए। ग्रामक दावों पर नियंत्रण होना चाहिए और कृषि अपशिष्ट का उपयोग करने वाले उद्योगों को समर्थन मिलना चाहिए। चालवा कहते हैं कि उपभोक्ताओं के लिए संदेश सरल है: केवल लेबल पर भरोसा न करें। सवाल पुछें और अपने स्वास्थ्य तथा पर्यावरण के लिए सही निर्णय लें। एक स्ट्रों भले छोटी चीज लगे लेकिन सबको इस तरह की ही स्ट्रों का इस्तेमाल करना होगा जो हमारी सेहत और हमारे पर्यावरण के लिए हानिकारक ना हो। अब हमें यह है कि हम सुविधा से आगे बढ़कर जागरूक विकल्प चुनें- एक-एक घूंट के साथ।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार और जाने-माने स्तंभकार हैं।)

संक्षिप्त समाचार

हरभजन सिंह ने खाटू श्याम मंदिर में दर्शन किये



सीकर ,एजेंसी।

भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह ने अपने परिवार के साथ खाटूश्यामजी मंदिर में दर्शन किये। हरभजन ने अपनी पत्नी गीता बसरा के साथ मंदिर में मत्था टेका। इस दौरान उन्होंने पूजा-अर्चना कर भगवान से आशीर्वाद प्राप्त किया। हरभजन सुबह ही मंदिर पहुंच गये थे। इस दौरान श्री श्याम मंदिर कमेटी के पदाधिकारियों ने उनका पारंपरिक तरीके से स्वागत सत्कार किया। मंदिर परिसर में प्रवेश करने के बाद उन्होंने विशेष पूजा अर्चना की और स्वास्तिक बनाकर बाबा श्याम से देश और प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना की। साथ ही उन्होंने भारतीय क्रिकेट टीम के उज्ज्वल भविष्य के लिए भी प्रार्थना की। इस दौरान मंदिर परिसर में भारी तादाद में श्रद्धालु एकत्र रहे। हरभजन पिछले एक महीने में दूसरी बार खाटूश्यामजी पहुंचे हैं। इससे अंदाजा होता है कि यहां उनकी कितनी आस्था है। इससे पहले वह 9 मार्च को भारतीय टीम की टी-20 विश्व कप जीत के बाद भी भगवान के दर्शन कर धन्यवाद देने पहुंचे थे। उस समय उन्होंने जीत का श्रेय भगवान को देते हुए आभार जताया था। मंदिर कमेटी की ओर से हरभजन सिंह का विशेष सम्मान किया गया। कमेटी के मंत्री मानवेंद्र सिंह चौहान ने उन्हें बाबा श्याम का पवित्र मोरपंख, प्रसाद, दुपट्टा, निशान और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। इस दौरान हरभजन सिंह ने मंदिर की व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए कहा कि यहां श्रद्धालुओं के लिए किए गए इंतजाम काफी बेहतर। उन्होंने कमेटी के प्रयासों की भी प्रशंसा की। हरभजन करीब एक घंटे तक मंदिर में रुके और इस दौरान उन्होंने मंदिर कमेटी के कार्यालय में भी कुछ समय बिताया। उनके यहां देखकर श्रद्धालुओं में उत्साह छा गया। लोग उनके साथ फोटो और सेल्फी लेने के लिए उत्सुक नजर आए। सुरक्षा व्यवस्था के बीच उन्हें सुचारू रूप से दर्शन करवाए गए।

अर्जेंटीना दौरे पर जाएगी

भारतीय महिला हॉकी टीम

13 से 17 अप्रैल के बीच चार मैच खेलेगी



नई दिल्ली ,एजेंसी।

भारतीय सीनियर महिला हॉकी टीम चार मैचों की सीरीज खेलने के लिए अर्जेंटीना दौरे पर जाएगी। भारतीय टीम इस दौरे में मेजबान टीम के खिलाफ 13 से 17 अप्रैल के बीच ब्यूनस आयर्स में मैच खेलेगी। ये सभी मुकाबले नेशनल सेंटर ऑफ हाई परफॉमेंस एथलेटिक्स सेंटर (सीएएनएआरडी) में खेले जाएंगे। भारतीय टीम को इस दौरे से आगामी एफआईएच हॉकी विश्व कप और एशियाई खेलों की तैयारी का अवसर मिलेगा। भारतीय महिला टीम अर्जेंटीना के खिलाफ 13, 14, 16 और 17 अप्रैल को मैच खेलेगी। इस दौरे में टीम को अर्जेंटीना जैसी मजबूत टीम से खेलने और अपनी कमजोरियों को दूर करने का अवसर मिलेगा। दोनों ही टीमों के बची हाल में रोमांचक मुकाबले हुए हैं। पिछले साल एफआईएच प्रो लीग में दोनों टीमों के बीच मैच 2-2 से बराबरी पर समाप्त हुआ था। इस दौरे से आगामी एफआईएच हॉकी विश्व कप और एशियाई खेलों की तैयारी का अवसर मिलेगा। विज्व कप अगस्त में बेल्जियम और नीदरलैंड में आयोजित होगा। वहीं एशियाई खेल सितंबर-अक्टूबर में जापान के आइची-नागोया में खेले जाएंगे। इस दौरे से टीम को सही संयोजन का पता लगाने का भी अवसर मिलेगा। भारतीय टीम के मुख्य कोच ने कहा, हम 24 खिलाड़ियों के साथ अर्जेंटीना जा रहे हैं। यह फैंसला सोच-समझकर लिया गया है जिससे ज्यादा से ज्यादा खिलाड़ियों को आजमाने का अवसर मिल सके। कोच ने टीम चयन को लेकर स्पष्ट किया, इस टीम में जगह बनाने के लिए आपको पहले यह साबित करना होगा कि आप एक टीम प्लेयर हैं। उन्होंने कहा, व्यक्तिगत प्रदर्शन जरूरी है, लेकिन टीम के साथ तालमेल और सहयोग के बिना जगह बनाना मुश्किल है।

बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप में सिंधु ने रोमांचक जीत दर्ज की, लक्ष्य सेन बाहर निंगबो, एजेंसी।

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पी वी सिंधु ने बुधवार को बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप 2026 के पहले दौर में कड़ा मुकाबला जीतकर दूसरे दौर में जगह बनाई। करीब दो महीने बाद कोर्ट पर उतरी सिंधु को मलेशिया की वर्ल्ड नंबर-38 वोंग लिंग चिंग के खिलाफ कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा। पहला गेम 15-21 से गंवाने के बाद सिंधु ने शानदार वापसी करते हुए अगले दो गेम 21-11, 21-19 से जीत लिए। एक घंटे सात मिनट तक चले इस मुकाबले में जीत दर्ज करने के बाद अब उनका सामना दूसरे वरीयता प्राप्त चीन की वांग झी यी से होगा। इससे पहले आयुष शेट्टी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए वर्ल्ड नंबर-7 और पिछले साल के कांस्य पदक विजेता ली शी फेंग को 21-13, 21-16 से हराकर बड़ा उलटफेर किया। 51 मिनट में मिली इस जीत के बाद आयुष अब प्री-क्वार्टरफाइनल में चीनी ताइपे के ची यू जेन से भिड़ेंगे। हालाँकि, भारत के लक्ष्य सेन को निराशा हाथ लगी और उन्हें हांगकांग के ली चेक यू के खिलाफ 12-21, 19-21 से हार का सामना करना पड़ा। महिला एकल में मालविका बंसोड़ और तन्वी शर्मा भी अपने-अपने मुकाबले सीधे गेम में हारकर बाहर हो गईं। दिन के बाद के मुकाबलों में एच एस प्रणय, किदांबी श्रीकांत और उन्नति हुड्डा एकल वर्ग में एक्शन में नजर आएंगे। \

केकेआर और सुपरजायंट के बीच आज होगा मुकाबला

कोलकाता ,एजेंसी।

कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) टीम गुरुवार को यहां के इंडन गार्डन में होने वाले आईपीएल मुकाबले में लखनऊ सुपरजायंट्स का सामना करेगी। केकेआर का लक्ष्य इस मैच में घरेलू मैदान का लाभ उठाकर सत्र में पहली जीत करना रहेगा। इस सत्र में अब तक हुए तीनों ही मैचों में केकेआर हारी है। इससे वह काफी दबाव में है। टीम की बल्लेबाजी और गेंदबाजी अब तक असफल रही है। अभी तक के आंकड़ों पर नजर डालें तो दोनों टीमों के बीच 6 मैच हुए हैं जिसमें से 2 केकेआर जबकि 4 सुपर जायंट्स ने जीते हैं। इन दोनों ही टीमों के बीच आखिरी मुकाबला पिछले आईपीएल सत्र में कोलकाता के इंडन गार्डन्स स्टेडियम में ही खेला गया था

वैभव के अगले सत्र में मुम्बई इंडियंस में जाने की अटकलें

मुम्बई ,एजेंसी।

राजस्थान रॉयल्स की ओर से खेल रहे 15 साल के वैभव सूर्यवंशी के अगले सत्र में मुम्बई इंडियंस में जाने की अटकलें लगायी जा रही हैं। वैभव को पिछले सत्र में राजस्थान रॉयल्स ने शामिल किया था और से ही उन्होंने आक्रामक शतक लगाकर अपनी अलग पहचान बनायी थी। इससे पहले रॉयल्स के ही संजू सैमसन भी इस सत्र में चेन्नई सुपरकिंग्स चले गये थे। वैभव ने आईपीए में गत दिवस 14 गेंदों पर ही 39 रन बनाकर एक बार फिर अपने को साबित किया था। इसके बाद से ही उनपर कई टीमों की नजरें लग गयीं। जिस प्र-कार उन्होंने सप्रप्रीत बुगराह के एक ही ओवर में दो छक्के लगा दिये उससे उनकी प्रतिभा का अंदाजा होता है। पूर्व चयनकर्ता परांजपे का कहना है कि वैभव जल्द ही मुंबई की ओर से खेल सकते हैं। इससे साफ नजर आता है कि राजस्थान रॉयल्स अपने युवा उभरते सितारों को अपने साथ बरकरार नहीं रख



पाती। जोस बटलर को रिलीज करने का उनका फैसला आज भी हैरान करता है। इसी प्रकार सैमसन को भी सीएसके ने लिया। ऐसे में अगर वैभव को भी मुंबई अपनी ओर खींच ले तो किसी को हैरान होने की जरूरत नहीं है। राजस्थान ने वैभव को 2025 के केवल सिर्फ 1.10 करोड़ रुपये में खरीदा था। ये कीमत आज के वैभव को देखते हुए काफी कम है। वह आज अगर नीलामी में उतरते हैं तो उन्हें मोटी रकम मिल सकती है। ऐसे में अगले

साल होने वाली नीलामी में मुंबई इंडियंस की नजरें उनपर रहेंगी। लंबे समय से ये माना जा रहा था कि यशस्वी मुंबई इंडियंस के निशाने पर रहेंगे। अब जब सूर्यवंशी 15 साल के हो गए हैं तो बीसीसीआई के नियमों के अनुसार वह सीनियर टीम के लिए खेलने के योग्य हैं। इससे भी उनकी मांग बढ़ जाएगी क्योंकि उन्होंने इंडिया ए और अंडर-19 टीम का प्रतिनिधित्व किया है। वहीं इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका में जाकर शतक लगाये हैं।



मुजारबानी अहम खिलाड़ी होंगे जबकि लखनऊ सुपर जायंट्स टीम में मिचेल मार्श, एडेन मार्करम और मोहम्मद शमी पर सभी की नजरें रहेंगी।

दोनों ही टीमों इस प्रकार हैं :

केकेआर : अर्जिंक्य रहाणे (कप्तान), फिन एलन, कैमरून ग्रीन, अंगकृष रघुवंशी (विकेटकीपर), रिकू सिंह, रमनदीप सिंह, अनकुल राॅय, सुनील नारायण, वैभव अरोड़ा, ब्लेसिंग मुजारबानी, कार्तिक त्यागी। इमैक्ट प्लेयर- वरुण चक्रवर्ती। लखनऊ सुपर जायंट्स : ऋषभ पंत (कप्तान और विकेटकीपर), एडेन मार्कराम, मिचेल मार्श, आयुष बडोनी, निकोलस पूरन, अब्दुल समद, मुकुल चौधरी, आवेश खान, दिग्वेश राठी, प्रिंस यादव, मोहम्मद शमी। इमैक्ट प्लेयर: मोहसिन खान/मणिमरण सिद्धार्थ।

रिकू को ऊपरी क्रम पर भेजे केकेआर : गांगुली

कोलकाता ,एजेंसी।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने आईपीएल सत्र में लगातार हार से परेशान कोलकाता नाइट राइडर्स (के-केआर) को बल्लेबाजी क्रम में बदलाव करने को कहा है। गांगुली के अनुसार टीम को बल्लेबाजी में आ रही परेशानियों को कम करने के लिए उप-कप्तान रिकू सिंह को ऊपरी क्रम पर भेजना चाहिए। के-केआर अब तक इस सत्र में अपने सभी तीनों ही मैच हारी है। इससे उनका केवल एक अंक ही है। वह भी उसे पंजाब किंग्स के खिलाफ बारिश की वजह मैच नहीं होने से मिला है। केकेआर को अब गुरुवार को सुपर जायंट्स से खेलना है। इसी को देखते हुए गांगुली ने कहा, रिकू को बल्लेबाजी क्रम में काफी नीचे भेजा जा रहा है जबकि वह काफी अच्छे बल्लेबाज हैं। मेरा मानना है कि कप्तान आर्जिंक्य रहाणे कुछ बदलाव करते हुए रिकू को ऊपरी क्रम पर बल्लेबाजी के लिए भेजें। रिकू ने आईपीएल के



2023 सत्र में गुजरात टाइटंस के खिलाफ आक्रामक बल्लेबाजी की थी। तब वह पांच छक्के लगातार रातो-रात स्टार बन गये थे। रिकू ने आईपीएल के 2024 में भी के-केआर की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। वहीं इस बाहर केकेआर की पारी रहाणे और फिन एलन कर रहे हैं। वहीं कैमरन ग्रीन को तीसरे

नंबर पर भेजा जा रहा है पर वह असफल रहे हैं।। अंगकृष रघुवंशी का नंबर उनके बाद आत है। वहीं रिकू को नंबर 5 पर उतारा जा रहा है। रिकू ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ 21 गेंदों पर नाबाद 33 रन बनाए और उसके बाद इंडन गार्डन्स में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 25 गेंदों पर 35 रन बनाए थे।

आरसीबी में आने से मेरे प्रदर्शन में आया बदलाव : पंडिकल

बेंगलुरु ,एजेंसी।

बल्लेबाज देवदत्त पंडिकल ने आईपीएल के इस सत्र में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की ओर से खेलते हुए इस सत्र में शानदार प्रदर्शन किया है। पंडिकल ने अपनी बल्लेबाजी में आये इस बदलाव का श्रेय टीम को दिया है। इस बल्लेबाज ने कहा कि आ-रसीबी में वापसी उनके लिए निर्णायक रही है। इससे उनकी बल्लेबाजी और मानसिकता दोनों ही बदली है। इसी कारण उनका प्रदर्शन भी सुधरा है जिसे आंकड़ों में भी देखा जा सकता है। 2025 सीजन में इस बल्लेबाज ने आ-रसीबी के लिए 10 मैचों में 150.61 के स्ट्राइक रेट से 247 रन बनाए थे। वहीं 2026 में उन्होंने केवल दो मैचों में 111 रन बनाये। इससे उनका स्ट्राइक रेट 201.82 का



रहा। पंडिकल ने कहा, मुझे लगता है कि आरसीबी के लिए हुई नीलामी ने अंतर पैदा किया। तब मुझे ये फैसला करना पड़ा कि मैं किस तरह का क्रिकेटर बनना

चाहता हूं। उन्होंने साथ ही कहा, इस टीम में वापसी ने मुझे अपने तरह से क्रिकेट खेलने का अवसर मिला। इसके बाद से ही मैंने ये सोच लिया कि मुझे अपनी कमजोरियों

को दूर करना है फिर चाहे परिणाम कुछ भी हो। उन्होंने यह भी बताया कि उन्होंने अपने खेल को सुधारने के लिए लगातार मेहनत की और उसी का परिणाम है कि अब वह अच्छी बल्लेबाजी कर पा रहे है।वहीं इस बल्लेबाज ने कहा कि लखनऊ सुपरजायंट्स से खेलने के दौरान वह परेशानी में थे। उन्होंने कहा, वह समय मेरे लिए काफी मु-श्किल था और मैं समझ नहीं पा रहा था कि क्या गलत हो रहा है। उन्होंने कहा, जब फ्रेंचाइजी आप पर पैसा खर्च करती है और आप अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाते, तो लगता है कि आप उन्हें निराश कर रहे हैं। स क्रिकेटर ने कहा, उस खराब सत्र ने मुझे और बेहतर बनने के लिए प्रेरित किया। साथ ही कहा कि विफल होने से ही उन्हें कड़ी मेहनत की प्रेरणा मिली। इससे उनका मनोबल भी बढ़ा है।

स्ट्राइक रेट को लेकर बहस में न पड़ें रहाणे : सहवाग

नई दिल्ली ,एजेंसी।

पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने आईपीएल में कोलकाता नाइटराइडर्स की कप्तानी कर रहे अर्जिंक्य रहाणे का हौंसला बढ़ाते हुए कहा है कि वह स्ट्राइक रेट को लेकर जारी बहस में नहीं पड़ते हुए अपने प्रदर्शन पर ध्यान दें। आईपीएल में रहाणे अपने कम स्ट्राइक रेट के कारण आलोचकों के निशाने पर रहे हैं। इसी को देखते हुए सहवाग ने उन्हें अहम सलाह दी है। सहवाग ने कहा कि रहाणे को प्रशंसा पर न ज्यादा खुश होने की जरूरत है और न ही आलोचना पर निराश होने की। सहवाग ने कहा, मुझे नहीं लगता कि खिला-ड़ियों को इस तरह की बातों पर अधिक ध्यान देना चाहिये क्योंकि लोग आपकी तरीफ भी करेंगे और आलोचना भी पर आपको दोनों को ही समान रुप से लेना चाहिये। उन्होंने साथ ही कहा, अगर कोई स्ट्राइक रेट या बल्लेबाजी शैली पर सवाल उठाता है, तो उसमें परेशानी होने की जरूरत नहीं है। आपको इसकी जगह पर अपने खेल पर ध्यान देना चाहि-



ए।सहवाग ने महान बल्लेबाज सचिन तेंडुलकर का जिक्र करते हुए कहा है कि उन्हें भी आलोचनाएं झेलनी पड़ी हैं पर उन्होंने कभी भी उनका जवाब नहीं दिया। सहवाग ने ये बात इसलिए कही क्योंकि हाल ही में रहाणे स्ट्राइक रेट को लेकर किये

गये सवालों कपर भड़क गये थे। रहाणे ने कहा था कि उनक स्ट्रा-इक रेट अच्छा है और कुछ लोग जानबूझकर आलोचना में लगे हैं। सहवाग ने रहाणे के स्ट्राइक रेट का बचाव भी किया। उन्होंने कहा कि एक मैच में कुछ ज्यादा गेंद खेलने से स्ट्राइक रेट कम या

ज्यादा हो सकता है पर ये खेल का हिस्सा है। विराट कोहली जैसे शीर्ष बल्लेबाज भी एक जैसा स्ट्रा-इक रेट नहीं रख पाते हैं। रहाणे ने इस सत्र में अबतक 150 के स्ट्रा-इक रेट से रन बनाये हैं। पिछले सत्र में उन्होंने 12 पारियों में 172.48 390 रन बनाए थे।

ईशान एक अच्छे कप्तान : क्लासेन



हैदराबाद ,एजेंसी।

सनराइजर्स हैदराबाद के आक्रामक सलामी बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन ने पैट कर्मिंग के बाहर होने के कारण टीम की कप्तानी संभाल रहे ईशान किशन की जमकर प्रशंसा की है। क्लासेन ने कहा कि ईशान एक अच्छे खिलाड़ी और कप्तान है क्योंकि वह बेहद सहज है और सलाह लेने में हिचकते नहीं है। इसके साथ ही उनका फैसला लेने का तरीका काफी अच्छा है। वह सभी से बात करते हैं और ड्रेसिंग रूम का माहौल भी हंसी मजाक वाला बनाये रखते हैं। नियमित कप्तान पैट कर्मिंस के फिट नहीं होने से अब तक इस सीरीज में ईशान ने ही कप्तानी की है। उनकी कप्तानी में एसआरएच ने एक मैच जीता है, जबकि दो मैच हारे हैं और टीम अंक तालिका में पांचवें स्थान पर है। क्लासेन ने कहा, मुझे लगता है कि अब तक अपनी जिम्मेदारी निभाने में सफल रहे हैं। वह ऐसे खिलाड़ी हैं जो सलाह मांगते हैं। इसके अलावा ड्रेसिंग रूम का माहौल अच्छा बनाये रखते हैं। जिस तरह से वह गेंदबाजों को बदलते हैं और जिस तरह से टीम में उनकी बात सुनते हैं वह एक अच्छी आदत है। उन्होंने कहा, इससे साफ है कि टीम सुरक्षि हाथों में है। जिससे चीजें काफी आसान हो जाती हैं। उनकी कप्तानी में खेलना सच में बहुत मजेदार होता है। पिछले काफी समय से वह लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। क्लासेन ने कहा, मुझे लगता है कि वह बहुत बढ़िया रहे हैं और घरेलू क्रिकेट में भी उन्हें काफी सफलता मिली है। मुझे लगता है कि उनकी घरेलू टीम ने एक टूर्नामेंट जीता था।

कोच पामेला ने घोषित की अंडर-17 महिला फुटबॉल टीम रुस के खिलाफ खेलेगी तीन दोस्ताना मुकाबले

नई दिल्ली ,एजेंसी।

भारतीय महिला फुटबॉल टीम को कोच पामेला कोनटी ने कहा है कि रूस के खिलाफ सोची में होने वाले अंडर-17 फुटबॉल मुकाबलों के लिए उभरते हुए खिलाड़ियों को अवसर दिया गया है। भारतीय टीम 11 से 17 अप्रैल के बीच होने वाले इस दौर में रूस के खिलाफ तीन दोस्ताना मैच खेलेगी। इस दौरे के लिए 23 सदस्यीय टीम घोषित की गयी है। इस दौरे से भारतीय टीम को एएफसी अंडर-17 महिला एशियाई कप की तैयारी का भी अवसर मिलेगा। इस दौरे से खिलाड़ियों को अपनी रणनीति और तैयारियों को आंकने का अवसर मिलेगा। रूस जैसी मजबूत टीम के खिलाफ खेलने से टीम अपने कमजोरियों को दूर कर सकेगी। भारत और रूस के बीच ये तीनों मैच 11, 14 और 17 अप्रैल को सोची के मात्सेस्टा फुटबॉल सेंटर में होंगे। भारतीय टीम ने इन मुकाबलों के लिए सोची में अभ्यास भी शुरू कर दिया है। इस सीरीज से युवा खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय अनुभव हासिल होगा। इस टूर्नामेंट से भारतीय टीम को इस साल चीन में होने वाले एएफसी अंडर-17 महिला एशियाई कप की तैयारी को अवसर मिलेगा।

दवाएं भी दे सकती हैं दगा



दवाएं उतनी ही मात्रा में लेना चाहिए जितनी चिकित्सक ने लिखी हैं। इससे कम या अधिक

नुकसानदायक हो सकती हैं। अब तक ऐसी कोई औषधि नहीं है, जिसके कोई साइड इफेक्ट्स न हों। अतः अपने मन से खाई गई कोई दवा, जहर भी हो सकती है।

जीवन की रक्षा करने वाली दवाइयां हमेशा सुरक्षित नहीं होती हैं। यदि आप चिकित्सक की सलाह के बिना इन्हें मनमाने तरीके से ले रहे हो तो ये खतरनाक भी हो सकती हैं।

कोर्स और डोज पर दें ध्यान

लगभग सभी बीमारियों में दवाइयों की निश्चित मात्रा निर्धारित समय तक ही दी जाती है। खुराक एवं मात्रा में से किसी भी एक का ध्यान न रखा जाए तो ये दवाइयां खतरनाक हो सकती हैं। दमा के तेज अटैक से तुरंत राहत के लिए चिकित्सक औरल स्टीरायड्स मरीज को देते हैं, लेकिन देखा गया कि करीब 5 से 10 प्रतिशत मरीज उन पर्चों को संभालकर रख लेते हैं ताकि जब दोबारा अटैक आए

फिर से खा लें। कई मरीज तो चिकित्सक को बिना बताए हफ्तों और यहां तक कि महीनों भी अपने मन से स्टेरायड्स खाते रहते हैं। इसके गंभीर परिणाम होते हैं। इसी तरह ब्लड प्रेशर की दवाइयों की खुराक बिना रक्तचाप नापे ज्यादा या कम नहीं करना चाहिए।

कहीं ऐसा तो नहीं करते

कई मरीजों के परिजन अस्पताल के आईसीयू में यह कहते हुए सुनाई पड़ते हैं कि हमारे मरीज को रक्तचाप की शिकायत अर्से से है और वे नियमित दवा खाते हैं। अब सिरदर्द की शिकायत होने पर भी उन्हें लगा कि रक्तचाप बढ़ गया है इसलिए एक गोली और खा ली।

इससे रक्तचाप तेजी से गिर गया तो आईसीयू में भर्ती करवाना पड़ा। कई लोग सिरदर्द, बदल दर्द के

लिए एस्प्रीन, ब्रूफेन व अन्य दर्द निवारक दवाएं बिना निदान के अपने आप कई वर्षों तक लगातार लेते रहते हैं। ये दवाइयां कुछ समय के लिए सिर्फ दर्द को दबाती हैं। कारण को ठीक नहीं करती। इन दवाइयों से पेट में अल्सर, एनिमिया, गुर्दे खराब होना इत्यादि परेशानियां आ सकती हैं। कई लोग कमजोरी के लिए विभिन्न प्रकार के टॉनिक व विटामिन्स खाते रहते हैं। बी-कॉम्प्लेक्स व विटामिन-सी यदि ज्यादा ले भी लिए तो मूत्र के साथ निकल जाते हैं। लेकिन कुछ घुलनशील विटामिन्स जैसे विटामिन ए व विटामिन डी ज्यादा खुराक के कारण शरीर की प्राकृतिक प्रक्रिया में व्यवधान भी उत्पन्न कर सकते हैं।

एंटीबायोटिक्स से बचें

एंटीबायोटिक्स अपने मन से न लें। कई बार उनकी जरूरत नहीं होती। कई मरीज इस हिस्ट्री के साथ आते हैं कि पिछली बार जैसे लक्षण थे, इसलिए हमने आपका पिछला पर्चें दिखाकर दवा ले ली, लेकिन इस बार फायदा नहीं हुआ। एक ही एंटीबायोटिक को बार-बार लेने से उससे शरीर में रोग-प्रतिरोधक शक्ति कम हो जाती है। ऐसी स्थिति में हल्की एंटीबायोटिक असर नहीं करती। अब केवल ताकतवर एंटीबायोटिक देने पर भी फायदा होता है। अधिक समय तक एंटीबायोटिक खाने से बीमारी बढ़ती रहती है और कई बार उसके साइड इफेक्ट्स जैसे- दस्त होना, पेट खराब हो जाना, मुंह में छाले इत्यादि हो सकते हैं। इसलिए कोई भी एंटीबायोटिक दवा चिकित्सक के परामर्श के बगैर न लें। खासकर वे लोग जो पहले ही से दवाइयां लेते रहते हैं, उन्हें विशेष ख्याल रखना चाहिए, क्योंकि उनकी पहले की दवाइयां इन नई दवाइयों से मिल कर उनके लिए नई परेशानियां खड़ी कर सकती हैं।

विटामिन डी की कमी आपकी धमनियों को कठोर बना सकती है। एक नए अध्ययन के मुताबिक लोगों के शरीर में विटामिन डी की कमी धमनियों को सख्त बना सकती है।

विटामिन डी की कमी से रक्त वाहिनियों के स्वास्थ्य पर असर पड़ सकता है, इससे रक्तचाप (बीपी) बढ़ सकता है और दिल की बीमारियां हो सकती हैं। अध्ययन में शामिल जिन प्रतिभागियों ने विटामिन डी की उच्च मात्रा ली, उनकी रक्तवाहिनियों के स्वास्थ्य में सुधार देखा गया और उनका रक्तचाप भी कम हो गया था। अध्ययन में संस्थान के करीब 550 कर्मचारी शामिल हुए थे।



इन्हें जल्दी हो सकता है संक्रमण

गर्भावस्था के समय महिला को चिकन पॉक्स होने पर नवजात शिशु में संक्रमण का खतरा 70 प्रतिशत बढ़ जाता है। कमजोर रोग-प्रतिरोधक क्षमता वाले लोगों को भी यह वायरस आसानी से शिकार बना लेता है, इसलिए गर्भ ठहरने के 14 हफ्ते के बाद दी गई पावर बुस्टर डोज को वैरिसेला वायरस के बचाव के लिए इस्तेमाल किया जाता है।

डॉक्टरों का मानना है कि चिकन पॉक्स को समझने में मरीज देरी कर देते हैं, जिससे अक्सर इलाज मुश्किल हो जाता है। इसलिए सबसे पहले चिकन पॉक्स के लक्षण जानने जरूरी है। विशेषज्ञ बताते हैं कि सबसे खास लक्षण है शरीर में पानी युक्त लाल दानों का उभरना। इसके बाद मरीज को जुकाम व बुखार की शिकायत शुरू हो जाती है।

सावधानियां जरूर बरतें

एक बार आपको ये लक्षण दिख जाएं तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। दूसरे लोगों को इससे सुरक्षित रखने का प्रयास भी करें। याद रखें कि हवा और खांसी के माध्यम से संक्रमण एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति के शरीर तक पहुंच जाता है। बच्चों को विशेष रूप से चिकन पॉक्स के रोगी से दूर रखें। चिकन पॉक्स के रोगी घर से कम से कम



टीकाकरण ही एकमात्र बचाव

चिकनपॉक्स से बचाव के लिए सीएक्सवी वैक्सीनेशन एकमात्र विकल्प है। गर्भवती महिला को डोज दी जाती है, जिससे बच्चा सुरक्षित रहे। अगर गर्भवती महिला को दवा नहीं दी गई है तो जन्म के 14 हफ्ते के भीतर बच्चों को चिकन पॉक्स की तीन डोज दी जाना चाहिए। निजी नर्सिंग होम में टीका 1350 रुपए में उपलब्ध है।

विटामिन डी की कमी घातक

निकलें। इससे एक परिवार का संक्रमण दूसरे परिवार तक पहुंचने से रुकेगा। रोगी के पास खूब सफाई रखें, जिससे संक्रमण बढ़ने न पाए।

दोबारा चिकन पॉक्स, दोगुनी सावधानी जिन लोगों को दोबारा चिकन पॉक्स हो रहा है, उन्हें सचेत रहने की ज्यादा जरूरत होती है। चिकनपॉक्स एक बार हो तो अधिक गंभीर नहीं है, जबकि यदि दस साल की उम्र के बीच बच्चों को दो बार से अधिक बार हो तो ल्यूकीमिया बीमारी हो सकती है। ये खून से संबंधित बीमारी है, जिससे रक्त में पाई जाने वाली लाल रक्त कणिकाएं तेजी से क्षतिग्रस्त होती हैं।

चिकन पॉक्स घबराएं नहीं

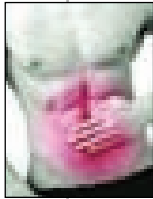
साफ-सफाई का रखें ख्याल

कई लोगों को भ्रम है कि चिकन पॉक्स के रोगी को नहलाना नहीं चाहिए, जबकि सच यह है कि चिकन पॉक्स के मरीज को अतिरिक्त साफ-सफाई की जरूरत होती है। मरीज को रोज नीम के पानी से नहलाना चाहिए। साफ कपड़े पहनाने चाहिए। उसके बर्तन वगैरह भी अलग रखने चाहिए, ताकि उसका संक्रमण दूसरों तक न पहुंचे।

कब घातक होता है चिकन पॉक्स ? यों तो चिकन पॉक्स पूरी तरह से इलाज वाली बीमारी है और सही इलाज मिलने पर जल्दी ठीक भी हो जाती है। संक्रमण भी एक हफ्ते से दो हफ्ते के बीच में खत्म हो जाता है। लेकिन अगर सावधानियां न बरती जाएं तो दो से तीन हफ्ते तक संक्रमण शरीर में बढ़ता रहता है। अगर ये नियंत्रित न हो तो दिमाग और लीवर तक इसका असर पहुंच जाएगा। इसके बाद दूसरी बीमारियां आपको अपनी गिरफ्त में लेने लगती हैं। इनमें ज्वॉइडिस यानी पीलिया जैसी बीमारी भी हो सकती है, जिसे आम लोग जानते-समझते हैं। हाइड्रोसेफेलिक्स जैसी गंभीर बीमारी भी हो सकती है, जिसका अक्सर लोगों ने नाम भी नहीं सुना होता। हाइड्रोसेफेलिक्स में दिमाग में पानी भर जाता है।

दर्द को न करें नजरअंदाज

अपने शरीर में होने वाले दर्द को हम अक्सर नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन कई बार ये दर्द किसी बीमारी का संकेत भी हो सकते हैं। ऐसे में इन्हें अनदेखा करने की बजाय तुरंत इनका इलाज करवाकर बड़ी बीमारी को टाला जा सकता है...



पेट दर्द

पेट दर्द होना एक सामान्य सी बात है, लेकिन महानगरों में यह कुछ ज्यादा ही देखने में आता है। वजह यह कि महानगरों के लोगों का खाने-पीने का कोई वक्त नहीं होता। फिर बाहर के खाने से बचना भी यहां के लोगों के लिए मुश्किल होता है। जहां तक महिलाओं की बात है तो उनमें पेट का दर्द यूरिक्स में होने वाली समस्याओं का संकेत हो सकता है। कई बार दर्द के साथ-साथ पेट में गड़बड़ भी हो सकती है जैसे- कब्ज या डायरिया। सही वजह पता लगाने का सबसे बेहतर तरीका है अल्ट्रासाउंड। इससे पेट की गांठ का आसानी से पता लगाया जा सकता है। अगर जल्दी पता लग जाए, तो सिकंदर दवा से ही इसका इलाज संभव है, लेकिन गांठ बढ़ जाने से की-होल सर्जरी करवानी पड़ती है।

कमर दर्द

कमर दर्द से भी तमाम लोग परेशान रहते हैं। दिनभर कंप्यूटर के सामने बैठे रहने से यह समस्या और भी बढ़ जाती है। कमर दर्द अगर नीचे की तरफ बढ़ने लगे और तेज हो जाए, तो जल्द से जल्द डॉक्टर को दिखाएं। कभी-कभी दर्द कुछ मिनेट ही होता है और कभी-कभी यह घंटी तक रहता है। ऐसा दर्द पथरी की वजह से हो सकता है। इसकी जांच एक्स-रे, अल्ट्रासाउंड और यूरिन टेस्ट के जरिए करवाई जा सकती है।

जबड़े का दर्द

जबड़े का दर्द अक्सर जबड़ों के जॉइंट्स के ज्यादा काम करने की वजह से होता है। यह समय के साथ सही भी हो जाता है, लेकिन मुंह खोलते और बंद करते वक्त जब आवाज के साथ ऐसा दर्द हो तो यह जॉइंट की चोट की वजह से भी हो सकता है। साधारण एक्स-रे से इसका पता लगाया जा सकता है। दवा से इसका इलाज करवाया जा सकता है।

जोड़ों का दर्द

यह दर्द ज्यादातर मामलों में पचास साल की उम्र के बाद शुरू होता है। इसकी शुरुआत घुटनों में हल्के दर्द के साथ होती है। धीरे-धीरे यह दर्द हाथों की अंगुलियों के जोड़ों में भी आ जाता है। यह दर्द हिलने-डुलने से बढ़ता जाता है। दर्द के बढ़ जाने पर तुरंत ऑर्थोपेडिक डॉक्टर से संपर्क करें। एक्स-रे या बोनो डेंसिटी टेस्ट से ऑस्टियोआर्थराइटिस या रूमेटॉइडआर्थराइटिस का पता लगाया जा सकता है। यह समस्या पुरुषों से ज्यादा महिलाओं में पाई जाती है। इस बीमारी को जड़ से खत्म नहीं किया जा सकता, लेकिन फिजियोथेरेपी और स्टेरॉइड्स लेकर इसे बढ़ने से रोक जा सकता है। तकलीफ बढ़ने पर पी-न-रिलेसमेंट सर्जरी की जरूरत भी पड़ सकती है।

अंगूठों का दर्द

अगर अंगूठों में दर्द रहता है तो यह गठिया का लक्षण हो सकता है। जोड़ों में ज्यादा यूरिक एसिड क्रिस्टल जमा हो जाने से यह दर्द होता है। वक्त गुजरने के साथ ही यह दर्द इतना असहनीय हो सकता है कि इससे चलने-फिरने में भी दिक्कत हो सकती है। इसे एक्स-रे द्वारा पहचानकर दवा से ठीक किया जा सकता है।

माथे का दर्द

ज्यादातर दर्द पूरे सिर में होता है, लेकिन जब यह दर्द काफी तेज हो तो यह गंभीर स्थिति हो सकती है, इसलिए सिर दर्द को कभी नजरअंदाज न करें और तुरंत डॉक्टर से मिलें। यह 50 साल से ज्यादा उम्र वाले लोगों में देखा जाता है।

मिथ और हकीकत

मिथ- गहरे रंग की चीजें खाने से गहरे दाग पड़ते हैं!

सच- गहरे दाग से बचना चाहते हैं तो केवल एक सूत्र याद रखें कि दामों पर बार-बार नाखून न लें।

मिथ- चिकन पॉक्स ठीक होने के चार या पांच महीने तक नॉनवेज नहीं खाना चाहिए, वरना शरीर में खुजली हो जाती है।

सच- मेडिकल साइंस नॉनवेज खाने से कतई नहीं रोकती। यहां तक कि अगर आप सी फूड खाएं तो भी कोई नुकसान नहीं होता।

मिथ- चिकन पॉक्स के दौरान बाल नहीं धुलने चाहिए और नहाना भी नहीं चाहिए वरना शरीर में हवा घुल जाती है और बुढ़ापे में कई समस्याओं का सामना पड़ता है।

सच- आप रोज नहा सकते हैं। बाल भी धुल सकते हैं। केवल इतना ध्यान रखिए कि दाग वाले स्थान पर गीले तौलिए से न पोछें, वरना संक्रमण हो सकता है।

मिथ- अगर एक बार चिकन पॉक्स हो गया तो दोबारा नहीं हो सकता।

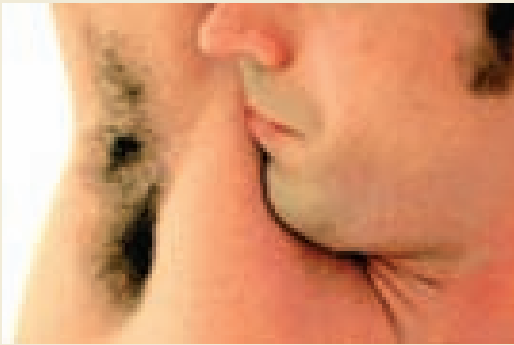
सच- ऐसा नहीं है। कई लोगों को ये दोबारा होता है। इसलिए किसी गलतफहमी में न रहें। सावधानी बरतें।

मिथ- खुजली वाले स्थान पर कुछ लगाना नहीं चाहिए।

सच- डॉक्टर ऐसा कोई परहेज नहीं बताते।



पसीने का जड़ी-बूटी द्वारा उपचार



गर्मियों के मौसम में चिल-चिलाती धूप व बढ़ती गर्मी पसीने का कारण बनती है जो शरीर से पसीने की दुर्गन्ध का भी मुख्य कारण है। साथ ही यह घमौरियों व चर्मरोग को भी जन्म देते है।

इस बढ़ती गर्मियों में पसीने से निजात पाने के लिए जड़ी-बूटी द्वारा इसका उपचार संभव है।

एक बार पहने हुए वस्त्रों को बिना धोए अलमारी में न रखें। बिना धुले वस्त्रों को अलमारी में रखने पर दुर्गन्ध पैदा करने वाले बैक्टीरिया सक्रिय होकर वस्त्रों में दुर्गन्ध पैदा कर देते हैं।

शरीर की साफ-सफाई का विशेष ख्याल रखना चाहिए। नीम युक्त साबुन का नहाते वक्त इस्तेमाल करें तो बेहतर रहेगा।

जहाँ तक हो सके कड़ी धूप से बचें। वस्त्र ऐसे पहनें जो शरीर से चिपके हुए न हों क्योंकि तंग वस्त्रों में ज्यादा पसीना आता है और वाष्पीकरण सही ढंग से नहीं हो पाता है जिससे कपड़ों से दुर्गन्ध आने लगती है। सिन्थेटिक वस्त्र न पहनकर सूती वस्त्र पहनें तो ज्यादा ठीक रहेगा।

तली-भुनी व मसालायुक्त चीजें न खाएँ। मौसमी फलों का सेवन करें।

जड़ी-बूटी द्वारा उपचार

बबूल के पत्ते और बाल हरड़ को बराबर-बराबर मिलाकर महीन पीस लें। इस चूर्ण की सारे शरीर पर मालिश करें और कुछ समय रुक-रुक कर स्नान कर लें। नियमित रूप से यह प्रयोग कुछ दिनों तक करते रहने से पसीना आना बंद हो जाएगा।

दुर्गन्ध करे दूर

पसीने की दुर्गन्ध दूर करने के लिए बेलपत्र के रस का लेप शरीर पर करना चाहिए। अदुसा के पत्रों के रस में थोड़ा शंख चूर्ण मिलाकर शरीर पर लगाने से शरीर से पसीने की दुर्गन्ध दूर हो जाती है।

तुरंत एनर्जी दे सुबह का नाश्ता

सुबह का नाश्ता शरीर के लिए फायदेमंद होता है। जो शरीर को तुरंत एनर्जी प्रदान करता है। साथ ही नाश्ते में अंकुरित अनाज तथा फलों में कैला, पपीता, सेब, आम, अंगूर व शहद, दही ले तो यह और अधिक फायदेमंद होगा।



अंकुरित फलों व अनाज में एनर्जी

पसंदीदा फलों को जैसे कैला, पपीता, सेब, आम, अंगूर, सबको छोटे-छोटे टुकड़े करके कांच के कटोरे में रखें। सबसे पहले तीन बड़े चम्मच, शहद डालें और फल डालें। उसके ऊपर योगार्ट (गाढ़ा दही) अगर आप इसे ठंडा खाना चाहते हैं तो इसे फ्रिज में रख दें, अब बाहर निकालकर नाश्ता करें। यह आपके लिए सुपाच्य तथा तुरंत स्फूर्ति देने वाला होगा। खासतौर पर महिलाओं के लिए पौष्टिकता, रक्तवृद्धि तथा त्वचा की नमी बनाए रखने वाला नाश्ता है। सभी विटामिन सी वाले फल यानी अंगूर, अनार, अनानस, संतरा, पपीता, मौसमी सभी फलों को काट लें। अब उस पर काला नमक, सफेद नमक, भुनाजीरा, नींबू डालकर मिव्स करें। इस तरह से अपनी दिनचर्या में पौष्टिक नाश्ता का समावेश करें। सुबह सही समय अवश्य नाश्ता करें। वक्त की कमी की वजह से कुछ भी खाकर पेट न भरें। अगर समय की कमी हो, तो रात में ही अंकुरित अनाज की तैयारी कर लें, रात में ही भिगा दें, जो अंकुरित अनाज आपको पसंद हो जैसे- काला चना, साबुत मूंग, लोभिया, मूंगफली दाना। सुबह उसमें प्याज, टमाटर, खीरा, ककड़ी, हरी धनिया, मिर्च महीन काट कर ऊपर से नींबूचिड़ो दें।

नमकीन दलिया फायदेमंद

काला नमक काली मिर्च, भुना जीरा डाल कर खाएं, अगर आप को कच्चा अंकुरित अनाज पसंद नहीं है, तो कुकर में एक सीटी लगा बनाया जा सकता है। बस हो गया आपका सेहतमंद नाश्ता तैयार। फिर कभी-कभी नमकीन दलिया भी तैयार करके खाया जा सकता है। चाहे तो आप इस नमकीन दलिया में स्वाद के लिए कोई पसंदीदा सब्जी भी डाली जा सकती है। इस तरह कम समय में पौष्टिक नाश्ता तैयार हो सकता है। सुबह के नाश्ते में हो सके तो दूध अवश्य लें। सुबह के समय पाचन क्रिया तेज होती है।

नई सरकार और नए सीएम को लेकर 10 अप्रैल को बीजेपी की बड़ी बैठक

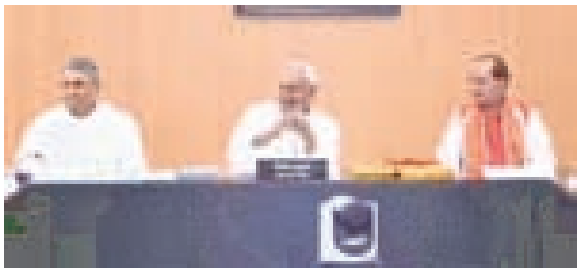
नवप्रदेश/निरंकार भास्कर। 10 अप्रैल को होने वाली बैठक बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन की अध्यक्षता में होगी। इसमें बिहार बीजेपी कोर ग्रुप के तमाम बड़े दिग्गज और दिल्ली के शीर्ष नेता शामिल होंगे। इसका मुख्य मकसद बिहार में नई सरकार के गठन और नए सीएम के नाम पर अंतिम मुहर लगाना है।

बिहार में एक बार फिर राजनीतिक हलचल शुरू हो गई है। अब नीतीश कुमार के सियासी उत्तराधिकारी को चुनने की कवायद तेज हो गई है। सियासी गलियारों में नए मुख्यमंत्री को लेकर तह-तहरह की चर्चाएं चल रही हैं। बीजेपी ने 10 अप्रैल को दिल्ली में एक बहुत ही अहम बैठक बुलाई है। इस बैठक का मुख्य मकसद बिहार में

नई सरकार के गठन और नए मुख्यमंत्री के नाम पर अंतिम मुहर लगाना है।

बिहार के ये दिग्गज नेता होंगे बैठक में शामिल

10 अप्रैल को होने वाली यह बैठक बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन की अध्यक्षता में होगी। इसमें बिहार बीजेपी कोर ग्रुप के तमाम बड़े दिग्गज और दिल्ली के शीर्ष नेता शामिल होंगे। बैठक में प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी, डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा मौजूद रहेंगे। इनके अलावा नित्यानंद राय, संजय जायसवाल, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री नागेंद्र जी और प्रदेश संगठन



महामंत्री भीष्म भाई दलसानिया भी रहेंगे। इस महामंथन के लिए बिहार सरकार के मंत्री दिलीप जायसवाल और मंगल पांडेय जैसे नेताओं को भी बुलावा आया है। किस मिलेगी बिहार की कमान? इस बैठक में बीजेपी आलाकमान द्वारा औपचारिक रूप से प्रदेश कोर कमटी से मुख्यमंत्री का नाम मांगा जा सकता है। बीजेपी की कोशिश है कि किसी ऐसे चेहरे को सीएम

बनाया जाए जिस पर सबकी आम सहमति हो और जो बिहार में पार्टी को और मजबूती दे सके। नए मुख्यमंत्री के नाम पर आम सहमति बनाने की कोशिश होगी। बैठक में चर्चा के बाद राष्ट्रीय नेतृत्व आगे का फैसला लेगा।

10 को दिल्ली में शपथ फिर 12 को इस्तीफा?

इस दिन नीतीश कुमार भी दिल्ली में

9 हजार रिश्तत लेते रंगोहाथ दारोगा गिरफ्तार

निगरानी अन्वेषण ब्यूरो ने डोरीगंज में की कार्रवाई

नवप्रदेश/पटना/छपरा। सारण जिले के डोरीगंज थाना क्षेत्र में तैनात एक दारोगा की घूस लेते गिरफ्तारी से इलाके में सनसनी फैल गई है।

निगरानी अन्वेषण ब्यूरो की टीम ने बुधवार सुबह कार्रवाई करते हुए एसआई मोहित मोहन को 9 हजार रुपये रिश्तत लेते हुए रंगोहाथ पकड़ लिया। यह कार्रवाई डोरीगंज स्थित दफ्तरपुर पेट्रोल पंप के समीप निजी आवास पर की गई। शिकायत के बाद बिछाया गया जाल डीएसपी वसीम फिरोज ने बताया कि टोले डुमरी रसूलपुर निवासी मन्नु साह ने निगरानी में भूमि विवाद के मामले में (डोरीगंज थाना कांड



संख्या 123/26) पीड़ित पक्ष को मदद करने के एवज में 10 हजार मांगने की शिकायत की थी। आरोप लगाया की डोरीगंज थाना में पदस्थापित मामले के अनुसंधानकर्ता दारोगा ने ये पैसे मांगे। मोलभाव के बाद 9000 रुपये पर बात तय हो गई। इसकी सूचना निगरानी विभाग को दी गई। निगरानी विभाग ने आवेदन के आधार पर निगरानी विभाग के

जिला पदाधिकारी ने मझौलिया प्रखंड स्थित मां शारदे एचपी गैस एजेंसी का किया औचक निरीक्षण



नवप्रदेश/बेतिया। जिला पदाधिकारी तरनजोत सिंह ने मझौलिया प्रखंड स्थित मां शारदे एचपी गैस एजेंसी का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान गैस आपूर्ति कार्य में कई गंभीर अनियमितताएं उजागर हुईं, जिस पर डीएम ने सख्त रुख अपनाया। जांच के क्रम में 18 से 31 मार्च के बीच 200 से अधिक एलपीजी सिलेंडरों का बैकलॉग पाया गया, जिन्हें उपभोक्ताओं तक समय पर डिलीवर नहीं किया गया था। इस संबंध में जब जिला पदाधिकारी ने एजेंसी प्रबंधक से स्पष्टीकरण मांगा, तो वे संतोषजनक जवाब देने में असफल रहे। जिलाधिकारी के निर्देश पर एसडीओ सदर द्वारा बैकलॉग से जुड़े उपभोक्ताओं से तत्काल दूरभाष पर संपर्क किया गया। उपभोक्ताओं से बातचीत में यह स्पष्ट हुआ कि गैस एजेंसी द्वारा आपूर्ति कार्य में मनमानी की जा रही है और समय पर सिलेंडर नहीं पहुंचाए जा रहे हैं।

इसके अतिरिक्त स्टॉक वेरिफिकेशन के दौरान स्टॉक में भी गड़बड़ी (मिसमैच) पाई गई। साथ ही गोदाम में आवश्यक पंजी का संभारण भी अद्यतन नहीं था, जो नियमों का स्पष्ट उल्लंघन है। इन अनियमितताओं पर जिला पदाधिकारी ने कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए एसडीएम बेतिया सदर को निर्देश दिया कि एजेंसी प्रबंधक के खिलाफ तत्काल प्रारंभिकी दर्ज कर विधिस्ममत कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। एसडीएम बेतिया सदर ने जानकारी दी कि जिला पदाधिकारी के निर्देश के अनुपालन में मां शारदे एचपी गैस एजेंसी के प्रबंधक के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज करने की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। इस अवसर पर अपर समाहर्ता सह जिला आपूर्ति पदाधिकारी, अनिल कुमार सिन्हा, अनुमंडल पदाधिकारी, बेतिया सदर, विकास कुमार, विशेष कार्य पदाधिकारी, जिला गोपनीय शाखा, सुजीत कुमार सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

मिट्टी की सेहत ही समृद्ध खेती की कुंजी : जिला पदाधिकारी

केवीके माधोपुर में 15 दिवसीय प्रशिक्षण का भव्य समापन जिला पदाधिकारी ने प्रतिभागियों को प्रदान किया प्रमाण पत्र

नवप्रदेश संवाददाता

बेतिया। कृषि विज्ञान केंद्र, माधोपुर परिसर में आयोजित 15 दिवसीय संमेकित पोषक तत्व प्रबंधन प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन प्रमाण पत्र वितरण के साथ हुआ। समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पश्चिम चंपारण के जिलाधिकारी तरनजोत सिंह उपस्थित रहे। जिलाधिकारी ने प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित करते हुए अपने संबोधन में कहा कि बीज और उर्वरक आवश्यक वस्तु अधिनियम



के अंतर्गत आते हैं, इसलिए किसानों को उचित मूल्य पर समय से इनकी उपलब्धता सुनिश्चित करना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि दिशा में किए जा रहे प्रयास सराहनीय हैं। उन्होंने केंद्र की कार्यणाली को सुव्यवस्थित बताते हुए वैज्ञानिकों का उत्साहवर्धन किया। साथ ही प्रशिक्षणार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि कृषि विज्ञान केंद्र, माधोपुर जो भी तकनीक अपना रहा है या नई तकनीकों के बारे में उन्हें जानकारी मिल रही है, उसको

ही मौजूद रहेंगे। उन्हें 10 अप्रैल को ही राज्यसभा की सदस्यता की शपथ लेनी है। माना जा रहा है कि इसके बाद पटना लौटकर 12 या 13 अप्रैल के आसपास वे राज्यपाल को अपना इस्तीफा सौंप सकते हैं।

नीतीश के बेटे निशांत कुमार ने क्या कहा?

बिहार में मंची हलचल के बीच नीतीश कुमार के पुत्र निशांत कुमार ने मंगलवार को कहा कि पिछले दो दशकों में उनके पिता द्वारा किए गए कार्यों को लोग कभी नहीं भूलेंगे। उन्होंने जनता से उनके, जेडीयू और उनके पिता के प्रति समर्थन बनाए रखने की अपील की। उनकी यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब अगले मुख्यमंत्री को लेकर अटकलें लगाई जा रही हैं। वैसे तो

जेडीयू की ओर से कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है, लेकिन पार्टी के कुछ कार्यकर्ता निशांत कुमार को संभावित उत्तराधिकारी के रूप में आगे बढ़ाने की वकालत कर रहे हैं।

जेडीयू के मंत्री ने क्या कहा?

जेडीयू के मंत्री विजय चौधरी ने कहा, स्वाभाविक रूप से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार राज्यसभा के सदस्य निर्वाचित हुए हैं तो कल दिल्ली जाएंगे और परसों शपथ लेंगे। सरकार का गठन तो परसों शपथ के बाद होगा, जब मुख्यमंत्री इस्तीफा देंगे तब एनडीए के सभी दल बैठेंगे। आपस में निर्णय होगा, तब सरकार का गठन होगा।

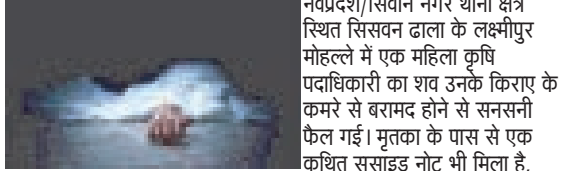
रंची, गुरुवार , 09 अप्रैल, 2026

एक नजर

एसपी के जनता दरबार में उमड़ी फरियादियों की भीड़, समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए निर्देश

नवप्रदेश/डेहरी आन सोन रोहातास। जिले में आमजन की समस्याओं के समाधान के उद्देश्य से आयोजित जनता दरबार में उस समय भारी भीड़ उमड़ पड़ी, जब पुलिस अधीक्षक रोहातास, रौशन कुमार ने स्वयं लोगों की फरियाद सुनीं। पुलिस कार्यालय डेहरी में आयोजित इस जनता दरबार में जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग अपनी शिकायतें लेकर पहुंचे। जनता दरबार के दौरान एसपी रौशन कुमार ने प्रत्येक फरियादी की समस्या को गंभीरता से सुना और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि सभी मामलों का त्वरित, निष्पक्ष एवं पारदर्शी निष्पादन सुनिश्चित किया जाए, ताकि लोगों को न्याय मिल सके। फरियादियों द्वारा प्रस्तुत मामलों में अधिकांश भूमि विवाद और पुराने मामलों से संबंधित शिकायतें शामिल रही। एसपी ने इन मामलों को प्राथमिकता के आधार पर निपटाने का निर्देश देते हुए अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी। इस पहल से आमजन में प्रशासन के प्रति विश्वास और भी मजबूत हुआ है। लोगों ने भी उम्मीद जताई कि उनकी समस्याओं का समाधान जल्द ही होगा और उन्हें न्याय मिलेगा।

सिवान में महिला कृषि पदाधिकारी की सद्विग्ध मौत, कमरे से मिला शव और सुसाइड नोट से हड़कंप



नवप्रदेश/सिवान नगर थाना क्षेत्र स्थित सिसपन ढाला के लक्ष्मीपुर मोहल्ले में एक महिला कृषि पदाधिकारी का शव उनके किराए के कमरे से बरामद होने से सनसनी फैल गई। मृतका के पास से एक कथित सुसाइड नोट भी मिला है, जिसमें भावुक शब्दों में मां से माफ़ी मांगी गई है। मृतका की पहचान सुष्टि कुमारी के रूप में हुई है, जो वैशाली जिले की निवासी थीं। वह मार्च 2023 से सिवान जिले के हसनपुरा प्रखंड अंतर्गत सहली वट्टी स्थित प्रखंड कृषि पदाधिकारी कार्यालय में सहायक तकनीकी प्रबंधक के पद पर कार्यरत थीं। पुलिस के अनुसार, सुष्टि का शव कमरे में फंदे से लटका हुआ मिला। मौके से एक नोट बरामद हुआ है, जिसमें लिखा है कि वह स्थिति को संभाल नहीं पाई और मां से माफ़ी मांगी है। हालांकि, पुलिस ने नोट की सत्यता की जांच शुरू कर दी है और इसे जांच का हिस्सा माना जा रहा है। मृतका के भाई आशुतोष कुमार ने बताया कि सुष्टि सोमवार को मीराँव एक्सप्रेस से हाजीपुर से सिवान पहुंची थी। रात करीब 9 बजे दोनों की फोन पर बातचीत हुई थी, लेकिन इसके बाद उनका मोबाइल बंद हो गया।

जवाहर नवोदय विद्यालय की पूर्व छात्रा जापान जायेगी

जवाहर नवोदय विद्यालय की पूर्व छात्रा इन्स्पायर मानक एवार्ड में राष्ट्रीय स्तर पर चयन के बाद जापान जायेगी : विश्व मोहन प्रसाद



नवप्रदेश/बेतिया। पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय के ग्रायाई हरि लाल ने बताया कि जवाहर नवोदय विद्यालय की पूर्व छात्रा भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय के सहयोग से वैश्वगणिक विकास हेतु जापान जा रही है। जवाहर नवोदय विद्यालय के विज्ञान शिक्षक विश्व मोहन प्रसाद के सफल मार्गदर्शन में तैयार किया गया पायल कुमारी का प्रोजेक्ट नो हेलमेट नो स्टार्ट बाईक इन्स्पायर मानक एवार्ड में जिला स्तर पर प्रथम स्थान पर

2024 में चयन हुआ, राज्य स्तर पर प्रथम स्थान वर्ष 2024 में चयन एवं राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त कर वर्ष 2024 में सफल हुआ। प्राचार्य हरि लाल ने विज्ञान शिक्षक विश्व मोहन प्रसाद के सफल मार्गदर्शन की सराहना की। जवाहर नवोदय विद्यालय के विज्ञान शिक्षक एवं प्रोजेक्ट के मार्गदर्शक विश्व मोहन प्रसाद ने बताया कि राष्ट्रीय स्तर पर सफल छात्रा पायल कुमारी भारत सरकार के सहयोग से जापान के विश्व विख्यात सकूरा साइंस हाई स्कूल के साथ साथ जापान का शैक्षणिक भ्रमण करेगी जो भविष्य में विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायक साबित होगा।

मनरेगा पीओ संगम बैठक: विकास कार्यों में तेजी, ग्राम सभा और जवाबदेही पर सख्त जोर

नवप्रदेश/खगड़िया। बेलदौर प्रखंड में मुखिया संघ एवं पंचायती राज पदाधिकारी तथा मनरेगा पीओ के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें विकास कार्यों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण तरीके से लागू करने पर जोर दिया गया। बैठक में बिहार पंचायत राज अधिनियम के तहत ग्राम सभाओं के नियमित आयोजन, मुखिया की जवाबदेही तय करने तथा पंचायती राज संस्थाओं के कार्यों की व्यापक समीक्षा की गई। साथ ही वित्तीय वर्ष 2026–27 की विकास योजनाओं, जमीनी विवादों और सरकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर विस्तार से चर्चा हुई। इस दौरान कई अहम निर्णय लिए गए, जिनमें विकास कार्यों में तेजी लाना, मुखिया द्वारा नियमित ग्राम सभा आयोजित करना तथा महिला जनप्रतिनिधियों की अनिवार्य उपस्थिति सुनिश्चित करना प्रमुख रहा। बैठक की अध्यक्षता मुखिया संग के जिला अध्यक्ष अनिल कुमार सिंह ने की। बैठक को संबोधित करते हुए पंचायती राज पदाधिकारी प्रसाद पासेवन ने कहा कि पंचायत के मुखिया कभी भी ग्राम सभा का आयोजन कर सकते हैं, लेकिन वर्ष में कम से कम बार चार ग्राम सभा आयोजित करना अनिवार्य है। उन्होंने यह भी बताया कि मुखिया की अनुपस्थिति में संबंधित ग्राम पंचायत के उपमुखिया बैठक की अध्यक्षता करेंगे तथा सामाजिक न्याय के आधार पर योजनाओं का चयन किया जाएगा। बैठक के उपरांत मुखिया संग के जिला अध्यक्ष अनिल कुमार सिंह सहित सभी मुखिया प्रखंड कृषि कार्यालय पहुंचे, जहां उन्होंने प्रसाद कृषि पदाधिकारी से किसानों को फसल क्षति का उचित मुआवजा देने की मांग की। मौके पर बलैठा पंचायत के मुखिया बिरेन्द्र सहनी उर्फ कांका देवी, रंगमगरा पंचायत की मुखिया मंजु देवी, माली पंचायत की मुखिया सोभा देवी, बेला नौवाद पंचायत के मुखिया गौरीशंकर शर्मा, मेहिनाथ नगर पंचायत के मुखिया दिनेश यादव, ब्रजेश कुमार, कुमार विमल राज सहित बेलदौर प्रखंड क्षेत्र के कई मुखिया उपस्थित थे।

कई अंचलों में नए प्रभार, बीडीओ को दी गई अतिरिक्त जिम्मेदारी

नवप्रदेश/सुसाराम (रोहातास)। जिले में प्रशासनिक व्यवस्था को और प्रभावी बनाने के उद्देश्य से जिला राज्यस् शाखा ने बड़ा फैरबदल किया है। अपर समाहर्ता ललित भूषण रंजन द्वारा जारी आदेश के तहत कई राज्यस् अधिकारियों (आरओ) को अंचलाधिकारी (सीओ) का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है, जबकि विभिन्न प्रखंडों के बीडीओ को अंचल के अतिरिक्त कार्यों से मुक्त कर दिया गया है। जारी आदेश के अनुसार, नासरीगंज के आरओ आशीष रंजन को दिनारा, काराकाट के ध्रुव कुमार को काराकाट, राजपुर के प्रमोदराज को सझौली, सूर्यपुरा के मो. जफर वारसी को बिक्रमगंज तथा अकोढीगोला के प्रशांत कुमार को तिलीथु का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। वहीं नौहट्टा के मनोज कुमार, डेहरी के तीकीरं अहमद को उनके संबंधित अंचलों का प्रभार सौंपा गया है। इसके अलावा सहयक बंदोबस्त पदाधिकारी उत्पल हिमवान को नोखा तथा आलोक कुमार सिंह को वेनारी अंचल का प्रभार दिया गया है। इधर कारगर, कोच, चेनारी, नोखा, बिक्रमगंज, सझौली, राजपुर, सूर्यपुरा, डेहरी, तिलीथु और अकोढीगोला के बीडीओ को अंचल के अतिरिक्त दायित्वों से मुक्त कर दिया गया है, ताकि वे अपने मूल प्रशासनिक कार्यों पर बेहतर तरीके से ध्यान दे सकें।

डेहरी में राजद कार्यकर्ताओं की बैठक, संगठन मजबूती और रणनीति पर हुआ मंथन

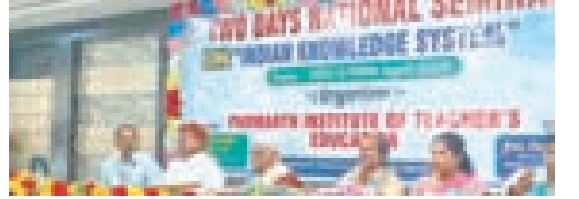


ने की। बैठक में डेहरी विधानसभा क्षेत्र में संगठन को और अधिक मजबूत बनाने तथा आगामी राजनीतिक गतिविधियों को लेकर विस्तृत रणनीति पर विचार-विमर्श किया गया। कार्यकर्ताओं ने क्षेत्र में पार्टी की पकड़ बढ़ाने, बुध स्तर तक संगठन को सक्रिय करने और जनसंपर्क अभियान तेज करने पर जोर दिया। इस अवसर पर प्रखंड अध्यक्ष अकोढीगोला बेसालत सिंह, जिला महासचिव हर राम सिंह, कपिल देव सिंह, नंद किशोर सिंह, सूर्यवंश प्रसाद, मुन्ना चन्द्रवंशी, बदन कुमार, अजित यादव, सूर्यनाथ दाव, सुनील कुमार शर्मा, भानु प्राण, बबन सिंह, विजय यादव, फकरुद्दीन अंसारी, वनजी सिंह सहित डेहरी एवं अकोढीगोला प्रखंड के अनेक राजद नेता व कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक में सभी कार्यकर्ताओं ने एकजुट होकर पार्टी को मजबूती प्रदान करने का संकल्प लिया।



अगलगी की घटना में गेहू की फसल पूरी तरह जल जाने से संबंधित किसानों का मुद्दा कि नाबाला छीन गया है। पीडित किसानों में ज्यादातर निम्न आय वर्ग के बटाईदार किसान हैं जिनकी जीविका बमुश्किल चलती है। अगलगी की घटना के बाद इनसे से ज्यादातर किसानों के सामने भूखमारी की स्थिति पैदा हो गई है। ऐसे में संबंधित किसानों को अपने स्तर से फौरी तौर पर अनाज उपलब्ध कराते हुए नगर सभापति ने जिलाधिकारी व अपर समाहर्ता से तत्काल उन्हें मुआवजा दिलाने का अनुरोध किया है।

भारतीय ज्ञान परंपरा पर राष्ट्रीय सेमिनार शुरू, विद्वानों का लगा समागम



नवप्रदेश/सासाराम(रोहातास)। जिले के शिवसागर प्रखंड बम्होर स्थित परमाथ ईस्टीट्यूट ऑफ टीचर्स एजुकेशन में शुक्रवार को इंडियन नॉलेज सिस्टम विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार की शुरुआत हुई। संस्थान के मल्टीपर्पज हॉल में आयोजित उद्घाटन सत्र में भारतीय ज्ञान परंपरा के विभिन्न आयामों पर गहन विचार-विमर्श किया गया तथा नई पीढ़ी के लिए इसकी उपयोगिता पर विस्तार से चर्चा हुई। सेमिनार में विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं शिक्षण संस्थानों से प्यूछे विद्वानों ने अपने-अपने दृष्टिकोण से भारतीय ज्ञान परंपरा को व्याख्या प्रस्तुत की। प्रमुख वक्ताओं में प्रो. (डॉ.) अरविंद पांडेय (पूर्व डीन, काशी विद्यापीठ, वाराणसी), प्रो. (डॉ.) नितेश भोला (सरकारी डिग्री कॉलेज, वाराणसी), प्रो. (डॉ.) आलोक रंजन (मारवाड़ी कॉलेज, भागलपुर), डॉ. रजनीश कुमार (विनोबा भावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग), डॉ. सर्वेश तिवारी (गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज, चंडौली) एवं डॉ. बिरेंद्र पांडेय (पूर्व विभागाध्यक्ष, वीकेएसयू, आरा) शामिल रहे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रो. (डॉ.) गिरिश्वर मिश्र (पूर्व कुलपति, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा) शामिल हुए। आयोजन को लेकर संस्थान में उत्साह का माहौल देखा गया। सेमिनार के संयोजक डॉ. राजेश कुमार सिंह (प्राचार्य), सह-संयोजक के रूप में नीरज नारायण राय एवं डॉ. बिरेंद्र कुमार पांडेय, संस्थान के चेयरमैन सुनील कुमार सिंह का अहम रोल दिखा।



संक्षिप्त खबरें

ढोंगी बाबा अशोक खरात को 14 दिन की न्यायिक हिरासत

मुंबई। महाराष्ट्र के नासिक जिले की अदालत ने बुधवार को ढोंगी बाबा अशोक खरात को दुष्कर्म के दूसरे मामले में 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। हालांकि पुलिस ने आज नासिक जिला अदालत में आरोपित खरात को गुरवार को फिर से पेश करने के लिए आवेदन दिया है, जिसे अदालत ने मान्य कर लिया है। सरकारी वकील शैलेन्द्र बागड़े ने बताया कि आज आरोपित खरात को दुष्कर्म के दूसरे मामले में पुलिस कस्टडी खत्व हो रही थी। इसी वजह से वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से आरोपित को आज जिला अदालत में पेश किया गया। इस मामले के जांच अधिकारी किरण कुमार सर्व्यंशी पेश हुए थे। आज एसआईटी की टीम आरोपित अशोक खरात को नासिक में सेंट्रल जेल में भेजेगी और कल फिर वहीं से आरोपित को वीसी के माध्यम से तीसरे मामले में न्यायालय में पेश किया जाएगा। खरात को 17 मार्च को गिरफ्तार किया गया था, जब नासिक जिले के सरकारवाड़ा पुलिस स्टेशन में एक महिला ने उसके खिलाफ दुष्कर्म की शिकायत दर्ज कराई थी। इसके बाद आरोपित के विरुद्ध दुष्कर्म के 8 मामले और धोखाधड़ी के 3 मामले नासिक के सरकारवाड़ा पुलिस स्टेशन में दर्ज किए गए। इन मामलों की जांच आईपीएस अधिकारी तेजस्विनी सातपुते की अध्यक्षता में विशेष जांच दल (एसआईटी) कर रही है।

देशभर में 9 से 23 अप्रैल तक 8वां पोषण पखवाड़ा

नई दिल्ली। केंद्र सरकार 9 से 23 अप्रैल तक पूरे देश में 8वां पोषण पखवाड़ा 2026 मनाने जा रही है। इस वर्ष का मुख्य विषय जीवन के पहले छह वर्षों में मस्तिष्क के विकास को अधिकतम करना रखा गया है, जिसका उद्देश्य बच्चों के समग्र विकास की मजबूत नींव तैयार करना है। यह अभियान कुपोषण मुक्त भारत के लक्ष्य को मजबूत करने के साथ-साथ जन-जागरूकता और सामुदायिक सहभागिता को बढ़ावा देगा। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के अनुसार, इस पखवाड़े का राष्ट्रीय स्तर पर शुभारंभ 9 अप्रैल को दिल्ली के विज्ञान भवन में दोपहर 3 से 4 बजे के बीच होगा। कार्यक्रम का नेतृत्व केंद्रीय मंत्री अनूपूर्णा देवी करेंगी। इस अवसर पर राज्य मंत्री सवित्री ठाकुर और विभाग के सचिव अनिल मलिक भी उपस्थित रहेंगे। मंत्री अनूपूर्णा देवी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी साझा करते हुए बताया कि यह कार्यक्रम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में संचालित मिशन पोषण 2.0 के अंतर्गत आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह पहल बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए शुरूआती वर्षों में पोषण और देखभाल को सुदृढ़ करने पर केंद्रित है। पोषण पखवाड़े के दौरान देशभर के आंगनवाड़ी केंद्रों में माताओं, अभिभावकों, परिवारों और स्थानीय संस्थाओं की भागीदारी से विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की जाएंगी। इनमें पोषण पंचायतें, जागरूकता अभियान, शुरुआती उत्तेजना गतिविधियाँ, खेल आधारित शिक्षा और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने वाले कार्यक्रम शामिल होंगे। साथ ही, राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की उत्कृष्ट पहलों को भी प्रदर्शित किया जाएगा और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के योगदान को सराहा जाएगा।

असम, केरल व पुडुचेरी में मतदान आज, तैयारियां पूरी

नई दिल्ली। असम, केरल और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में विधानसभा चुनाव के लिए 9 अप्रैल (गुरुवार) को एक ही चरण में मतदान कराया जाएगा। चुनाव आयोग और स्थानीय प्रशासन ने शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और पारदर्शी मतदान सुनिश्चित करने के लिए व्यापक तैयारियां पूरी कर ली हैं। असम की 126, केरल की 140 और पुडुचेरी की 30 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ रहे उम्मीदवारों की किस्मत 09 अप्रैल को ईवीएम में बंद हो जाएगी। इन सभी सीटों के लिए मतदान प्रक्रिया एक ही चरण में पूरी की जाएगी।

असम में 2.5 करोड़ मतदाता

असम में कुल 2.5 करोड़ मतदाता हैं, जिनमें 1.25 करोड़ पुरुष, 1.25 करोड़ महिलाएं और 343 तीसरे लिंग के मतदाता शामिल हैं। 18-19 आयु वर्ग के 5.75 लाख युवा मतदाता पहली बार अपने मतधिकार का प्रयोग करेंगे। असम की 126 विधानसभा सीटों के लिए 722 उम्मीदवार चुनावी मैदान में हैं। यहां बहुमत का आंकड़ा 64 है। राज्य की 15वीं विधानसभा का कार्यकाल 20 मई, 2026 को समाप्त होने वाला है।

असम में 2.71 करोड़ मतदाता

इसी तरह से केरल विधानसभा की 140 सीटों के लिए 890 उम्मीदवार चुनावी मैदान में हैं। यहां मुकाबला त्रिकोणीय है, जिसमें प्रमुख राजनीतिक दल शामिल हैं। सरकार बनाने के लिए 71 सीटों के बहुमत



की आवश्यकता है। राज्य में कुल 2.71 करोड़ मतदाता हैं, जिनमें 1.32 करोड़ पुरुष, 1.39 करोड़ महिलाएं और 273 तीसरे लिंग के मतदाता शामिल हैं।

असम में 9.44 लाख मतदाता

वहीं, पुडुचेरी में 30 सीटों के लिए चुनाव हो रहे हैं, जिनमें से पांच सीटें अनुसूचित जातियों के लिए आरक्षित हैं। सरकार बनाने के लिए 16 सीटों के बहुमत की आवश्यकता है। यहां कुल 9.44 लाख मतदाता हैं, जिनमें लगभग 4.43 लाख पुरुष, 5 लाख महिलाएं और 139 तीसरे लिंग के मतदाता शामिल हैं।

असम

असम चुनाव के लिए 31,490 पोलिंग स्टेशनों पर 25,054,463 मतदाता मतधिकार के हकदार हैं और इन सभी मतदान केंद्रों की निगरानी लाइव वेबकास्ट के जरिए

की जाएगी। राज्य के मुख्य चुनाव अधिकारी (सीईओ) कार्यालय से जारी जानकारी में कहा गया है कि सीईओ अनुराग गोयल की अगुवाई में सभी संबंधित अधिकारी मतदान प्रक्रिया से जुड़ी अपनी जिम्मेदारियां देख रहे हैं। कानून-व्यवस्था और चुनाव खर्च समेत सभी पहलुओं की कड़ी निगरानी सुनिश्चित करने के लिए चुनाव आयोग ने पहले ही केंद्रीय पर्यवेक्षकों को तैनात कर दिया है। निगरानी व्यवस्था और मजबूत करने के लिए आयोग के निदेशों के मुताबिक वेबकास्टिंग की सुविधाएं भी उपलब्ध कराई गई हैं। सभी 31,490 पोलिंग स्टेशनों पर वेबकास्टिंग की सुविधाएं चालू कर दी गई हैं, इनमें 31,486 मुख्य मतदान केंद्र और 4 सहायक मतदान केंद्र शामिल हैं। इससे जिला चुनाव अधिकारियों, मुख्य चुनाव अधिकारी और भारत के चुनाव आयोग के दफ्तरों से मतदान प्रक्रिया की रियल-टाइम (लाइव) निगरानी करना मुमकिन हो जाएगा। इसके अलावा,

मतदान केंद्रों पर सुरक्षा पक्की करने के लिए, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ, जिनमें केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के जवान भी शामिल हैं, को तैनात किया गया है। मतदान प्रक्रिया को सुचारू रूप से चलाने के लिए संवेदनशील मतदान केंद्रों पर सूक्ष्म-पर्यवेक्षकों को भी तैनात किया गया है। चुनावी प्रक्रिया पूरी कराने के लिए कुल 151,132 मतदान कर्मियों को तैनात किया गया है। मतदान प्रक्रिया के लिए 41,320 बैलेट यूनिट, 43,975 कंट्रोल यूनिट और 43,997 वीवीपैट मशीनों का इंतजाम किया गया है।सीईओ के दफ्तर के मुताबिक, इस चुनाव में 722 उम्मीदवार मैदान में हैं और कुल 25,054,463 मतदाता अपने मतधिकार का इस्तेमाल करेंगे। इनमें 12,531,552 पुरुष मतदाता , 12,522,593 महिला मतदाता और ट्रांसजेंडर श्रेणी के 318 मतदाता शामिल हैं। इसके अलावा, 63,423 सर्विस मतदाता भी हैं। मतदाताओं में से 642,314 लोग 18-19 आयु वर्ग के हैं, 250,006 लोग 80 वर्ष से अधिक आयु के हैं और 205,085 लोग दिव्यांग हैं। लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 60(सी) के अनुसार, चुनाव आयोग ने 85 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों और पष्ठकान किए गए दिव्यांग व्यक्तियों के लिए डाक मतपत्र (पोस्टल बैलेट) के माध्यम से घर से ही अपना वोट डालने की एक वैकल्पिक सुविधा प्रदान की है।

केरल

केरल के सभी मतदान केंद्रों पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई है। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी

(सीईओ), रतन यू. केलकर ने बताया कि सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक मतदान कराया जाएगा। 883 उम्मीदवार की किस्मत का फैसला लगभग 2 करोड़ 70 लाख मतदाता करने वाले हैं। मतदान के लिए पूरे राज्य में 30,495 मतदान केंद्र स्थापित किए गए हैं। इस आंकड़े में 24 सहायक मतदान केंद्र भी शामिल हैं। प्रदेश के 30 विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में कुल 1,099 मतदान केंद्र स्थापित किए गए हैं। बुधवार को मतदान कर्मियों को इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) और अन्य आवश्यक सामग्रियों के साथ जीपीएस युक्त वाहनों के जरिए पुलिसकेंद्र मतदान केंद्रों के लिए रवाना कर दिया गया। ईवीएम मशीनों को कड़ी सुरक्षा के बीच मतगणना केंद्रों तक पहुंचाया जाएगा, जहां उन्हें सुरक्षित कमरों में सील किया जाएगा। इन कमरों की 24 घंटे सीसीटीवी कैमरों से निगरानी की जाएगी। स

पुडुचेरी

1थ ही अर्द्धसैनिक बलों और पुडुचेरी पुलिस द्वारा तीन-स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। चुनाव में कुल 294 प्रत्याशी मैदान में हैं। इनमें 34 राष्ट्रीय दलों, 63 राज्य स्तरीय दलों, 80 भ्र-मान्यता प्राप्त पंजीकृत दलों और 117 निंदलीय उम्मीदवार शामिल हैं। मतदान प्रक्रिया के लिए 1,099 ईवीएम, 1,099 कंट्रोल यूनिट और 1,099 वीवीपैट मशीनों का उपयोग किया जाएगा। इसके अलावा आपात स्थिति के तहत के लिए 364 ईवीएम, 364 कंट्रोल यूनिट और 459 वीवीपैट मशीनें रिजर्व में रखी गई हैं।

भवानीपुर से ममता बनर्जी ने दाखिल किया नामांकन

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी ने बुधवार को भवानीपुर विधानसभा सीट से अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। सुबह लगभग 10:45 बजे वह अपने आवास से पैदल निकलकर अलीपुर स्थित सर्वे भवन पहुंचीं। इस दौरान उनके साथ पार्टी समर्थकों और नेताओं की बड़ी रैली भी मौजूद रही। नामांकन के समय उनके साथ कोलकाता के मेयर एवं राज्य के मंत्री हिमहाद हाकिम, पाणंद तथा मुख्यमंत्री के भाई स्वप्न बनर्जी, कार्तिक बनर्जी, भाभी कजरी बनर्जी सहित कई नेता उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री की रैली को देखते हुए पुलिस ने भीड़ नियंत्रण के लिए सड़क के एक हिस्से को गार्डिल से घेर दिया था। मुख्यमंत्री की एक झलक पाने के लिए सड़क किनारे बड़ी संख्या में लोग जमा हुए। इस दौरान ममता बनर्जी हाथ हिलाकर लोगों का अभिवादन करती हुईं आगे बढ़ीं। रैली में शामिल तृणमूल कार्यकर्ता ह्दयब बांग्लाह के नारे लगाते नजर आए। वहीं, सड़क किनारे खड़ी महिला कार्यकर्ताओं ने शंख बजाकर और उल्टुध्वनि कर उनका स्वागत किया।

प. बंगाल में वोटरों की संख्या में पहली बार आरी कमी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया पूरी होने के बाद राज्य में मतदाताओं की कुल संख्या में पहली बार गिरावट दर्ज की गई है। वर्ष 2011 से लगातार बढ़ रही मतदाता संख्या अब घटकर लगभग 6.75 करोड़ रह गई है। यह जानकारी राज्य के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय की ओर से जारी अंतिम पूरक सूची के विश्लेषण में सामने आई है। आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2011 में, जब वाम मोर्चा के 34 वर्ष के शासन का अंत हुआ और ममता बनर्जी के नेतृत्व में तृणमूल की



सरकार बनी, उस समय राज्य में लगभग 5.62 करोड़ मतदाता थे। इसके बाद हर चुनाव में मतदाताओं की संख्या लगातार बढ़ती रही। लेकिन, बंगाल में गत नवंबर से शुरू हुई एसआईआर प्रक्रिया पूरी होने के बाद अब यह संख्या घटकर 6.75 करोड़ हो गई है। राजनीतिक दलों ने पहले आरोप

चुनावी वर्ष में मतदाताओं की संख्या

वर्ष 2011 (विधानसभा चुनाव) : 5.62 करोड़
वर्ष 2014 (लोकसभा चुनाव) : लगभग 6.27 करोड़
वर्ष 2016 (विधानसभा चुनाव) : लगभग 6.58 करोड़
वर्ष 2019 (लोकसभा चुनाव) : लगभग 6.98 करोड़
वर्ष 2021 (विधानसभा चुनाव) : लगभग 7.33 करोड़
वर्ष 2024 (लोकसभा चुनाव) : लगभग 7.60 करोड़

लगाया था कि नए और पहली बार मतदान करने वाले मतदाताओं के नाम तो जोड़े जा रहे थे, लेकिन मृत, स्थानांतरित, लापता और दोहरे नाम वाले मतदाताओं को सूची से हटाने की प्रक्रिया प्रभावी तरीके से नहीं हो रही थी। चुनाव विश्लेषकों का मानना है कि इस बार पुनरीक्षण के दौरान मृत, स्थानांतरित, लापता,

दोहरे तथा फर्जी मतदाताओं के नाम बड़े पैमाने पर हटाए गए हैं, जिसके कारण मतदाता संख्या में यह बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। विशेषज्ञों के अनुसार, इस प्रक्रिया से मतदाता सूची अधिक पारदर्शी और शुद्ध हुई है, खासकर ऐसे समय में जब राज्य में इसी महोत्सव दो चरणों में विधानसभा चुनाव होने हैं।

पूर्व केंद्रीय मंत्री मोहसिना क़िदवई का निधन, निजामुद्दीन कब्रिस्तान में होंगी सुपुर्दे खाक

लखनऊ/नोएडा। गांधी परिवार की भरोसेपंर वरिष्ठ कांग्रेस नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री मोहसिना क़िदवई का बुधवार तड़के 93 वर्ष की आयु में नोएडा के एक निजी अस्पताल में निधन हो गया है। उनके निधन की खबर से पूरे प्रदेश में शोक की लहर दौड़ गई है। आज ही उनको सुपुर्दे खाक किया जाएगा। उनके निधन पर विभिन्न दलों के नेताओं ने गहरा दुःख व्यक्त किया है। राजनीतिक

जीवन में लंबे समय तक सक्रिय रही मोहसिना क़िदवई नोएडा के सेक्टर 40 स्थित आवास में रहती थीं। कांग्रेस पार्टी के अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय सचिव लियाकत चौधरी ने बताया कि कांग्रेस नेता मोहसिना क़िदवई का आज सुबह नोएडा के सेक्टर 12 स्थित मट्टो अस्पताल में निधन हो गया है। उन्होंने बताया कि नोएडा के सेक्टर 40 स्थित आवास से मोहसिना क़िदवई की अंतिम

यात्रा पांच बजे उनको सुपुर्दे खाक किया जाएगा। कांग्रेस नेता मोहसिना क़िदवई इंदिरा गांधी और राजीव गांधी की सरकारों में केंद्रीय मंत्री रहने के दौरान स्वास्थ्य, शहरी विकास, पंचेद और नागरिक उड्डयन जैसे मंत्रालयों में काम किया। उन्होंने राज्य सरकार में कई महत्वपूर्ण मंत्रालयों की जिम्मेदारी संभाली और कांग्रेस पार्टी की कद्दावर नेता के रूप में अपनी पहचान

बनाई। मोहसिना क़िदवई दो बार छत्तीसगढ़ से राज्यसभा सदस्य भी चुनी गईं। वह 1978 उपचुनाव, 1980 और 1984 में उत्तर प्रदेश के मेरठ शहर से सांसद चुनी गईं। मोहसिना क़िदवई हज्र कमेटी की अध्यक्ष भी रहीं। उन्होंने कांग्रेस महासचिव के रूप में भी काम किया। मोहसिना क़िदवई का जन्म 1 जनवरी, 1932 को बाराबंकी के मसौली में हुआ था।

आरबीआई ने चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहली मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की तीन दिवसीय समीक्षा की रेपो रेट 5.25 फीसदी पर बरकरार



भारत की आर्थिक बुनियाद मजबूत बनी हुई है। गवर्नर ने कहा कि ईरान संकट की वजह से महंगाई एक बार फिर जोखिम पैदा कर रही है। ऐसे में नीतिगत ब्याज दर को घटाने से ज्यादा जरूरी आर्थिक उपायों को सहयोग देना और विकास दर को बनाए रखना है।

क्या होता है रेपो रेट

रेपो रेट वह ब्याज दर है, जिस पर आरबीआई बैंकों को अल्पकालिक

आरबीआई ने चालू वित्त वर्ष में खुदरा महंगाई 4.6 फीसदी रहने का जताया अनुमान

मुंबई। पश्चिम एशिया संकट के बीच रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने चालू पित्त वर्ष 2026-27 में खुदरा महंगाई दर 4.6 फीसदी पर रहने का अनुमान जताया है। यह रिजर्व बैंक के संतोषजनक दायरे के अंदर है। हालांकि, सरकार ने केंद्रीय बैंक को मुद्रास्फीति को दो फीसदी घट-बढ़ के साथ चार प्रतिशत पर रखने का लक्ष्य दिया है। आरबीआई के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने बुधवार को पित्त वर्ष 2026-27 की पहली द्विमासिक मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की समीक्षा बैठक के बाद कहा कि पश्चिम एशिया में जारी संकट से पहले भारत के वृहद आर्थिक बुनियादी तत्व मजबूत दिख रहे थे और आर्थिक वृद्धि दर बेहतर एवं महंगाई कम रहने का आकलन किया जा रहा था। हालांकि, पश्चिम एशिया संघर्ष शुरू होने के बाद स्थिति बदल गई है। उन्होंने कहा कि अप्रैल-जून की पहली तिमाही में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित महंगाई दर चार प्रतिशत रहने का अनुमान है। वहीं, दूसरी तिमाही में इसके 4.4 फीसदी, तीसरी तिमाही में 5.2 फीसदी और चौथी तिमाही में 4.7 फीसदी रहने का अनुमान है। आरबीआई के गवर्नर ने कहा कि मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने समीक्षा में पाया कि पिछली नीतिगत बैठक के बाद से भू-राजनीतिक अनिश्चितताएं काफी बढ़ गई हैं। कुल मिलाकर महंगाई दर निम्नत्रण में है और लक्ष्य से नीचे है।

ऋण देता है। इसका सीधा प्रभाव लोन, इंएमआई, बचत और निवेश पर पड़ता है। उल्लेखनीय है कि इससे पहले पिछले वित्त वर्ष के फरवरी 2026 में हुई अंतिम एमपीसी की बैठक में रिजर्व बैंक ने रेपो रेट 5.25 फीसदी पर स्थिर रखा गया था। हालांकि, रिजर्व बैंक ने फरवरी, 2025 से अब तक रेपो रेट में कुल 125 फीसदी की कटौती कर चुका है। आखिरी कटौती दिसंबर, 2025 में हुई थी, जब रेपो रेट को 0.25 फीसदी घटाकर 5.25 फीसदी किया गया था।

एक नजर

हिंदू देवी-देवताओं के अपमान वाली राणा अस्थुब की पोस्ट पर हाई कोर्ट सख्त, कार्रवाई के निर्देश

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने पत्रकार राणा अस्थुब के हिन्दू देवी-देवताओं और विनायक सावरकर पर 2013 से लेकर 2017 के बीच किए गए पोस्ट पर कड़ा एतराज जताया है। जस्टिस पुरुषेन्द्र कुमार कौरव ने कहा कि राणा अस्थुब के पोस्ट अपमानजनक, भड़काऊ और सांप्रदायिक हैं। उच्च न्यायालय ने इसके लिए दिल्ली पुलिस और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म व्हाट्स के खिलाफ जरूरी कार्रवाई करने का आदेश दिया। उच्च न्यायालय ने राणा अस्थुब को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। मामले की अगली सुनवाई 10 अप्रैल को होगी। उच्च न्यायालय ने राणा अस्थुब के अलावा दिल्ली पुलिस को भी नोटिस जारी किया। उच्च न्यायालय ने कहा कि इस मामले पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत है। कोर्ट ने कहा कि एक्स, दिल्ली पुलिस और केंद्र सरकार समन्वय से काम करें। याचिका अमिता सचदेवा ने दायर की है। याचिकाकर्ता ने इसके पहले साकेत कोर्ट में याचिका दायर की थी। साकेत कोर्ट ने राणा अस्थुब के खिलाफ एकआईआर दर्ज करने का आदेश देते हुए दिल्ली पुलिस को जांच करने का आदेश दिया था। दिल्ली पुलिस ने कहा था कि जिन पोस्ट को लेकर याचिका दायर की गई है वो अब एक्स पर मौजूद नहीं हैं। अमिता सचदेवा ने याचिका दायर कर कहा है कि राणा अस्थुब ने हिन्दू देवताओं भाव और सीता, वीर सावरकर और हिन्दू राष्ट्रवाद और भारत विरोधी भावनाओं को प्रदर्शित करने का काम किया है। अमिता सचदेवा ने कहा है कि वो सनातन धर्म की अनुयायी हैं। जब उन्होंने राणा अस्थुब का पोस्ट देखा तो उन्हें काफी आघात लगा। अमिता ने अपनी याचिका में राणा अस्थुब के 2013 से 2017 के बीच के सात पोस्ट का उल्लेख किया है।

नेपाल के पूर्व पीएम शेर बहादुर देउवा और उनकी पत्नी के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी



काठमांडू। नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउवा और उनकी पत्नी एवं पूर्व मंत्री डॉ. आरजू राणा देउवा के खिलाफ अवैध संपत्ति अर्जन के मामले में गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया है। नेपाल में संसदीय चुनाव के परिणाम आने से पहले ही दोनों सिंगापूर चले गए थे। नेपाल में नई सरकार गठन के बाद से वापस नहीं लौटे हैं। देउवा दंपति के इस समय हांगकांग में रहने का अनुमान है। इलाज के लिए सिंगापूर गए शेरबहादुर देउवा और आरजू देउवा का एक वीडियो पिछले हफ्ते भी हांगकांग में मॉनिंग वॉक करते हुए सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। काठमांडू जिला अदालत के सूचना अधिकारी दीपक श्रेष्ठ ने बताया कि इस बीच जांच के दौरान सम्पत्ति शुद्धीकरण अनुसन्धान विभाग ने उनके खिलाफ जिला अदालत काठमांडौ से गिरफ्तारी वारंट प्राप्त किया है। नेपाल पुलिस के केंद्रीय अनुसंधान ब्यूरो ने इंटरपोल के साथ समन्वय करके उनकी स्थिति का पता लगाने का अनुरोध किया था। नेपाल पुलिस के प्रवक्ता एसपी पवन भट्टराई ने बताया कि जल्द ही इंटरपोल से रेड कॉर्नर नोटिफ जारी कराने का प्रयास किया जा रहा है। सिंगापूर के साथ नेपाल की प्रत्यर्पण संधि है।

ईरान की घोषणा, अमेरिका से शुक्रवार को इस्लामाबाद में शुरू होगी बातचीत



तेहरान। अमेरिका-इजराइल के दो हफ्ते के संघर्ष विराम पर सहमत होने के बाद ईरान के लोग और वहां की हुकूमत खुश है। ईरान ने घोषणा की है कि अमेरिका से शुक्रवार को पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में बातचीत शुरू होगी। तेहरान का कहना है कि ये बातचीत उसके 10 सृजि प्रस्ताव पर केंद्रित होगी। इस प्रस्ताव में होर्मुज्ज जलडमरूमध्य पर नियंत्रण और सभी प्रतिबंधों को हटाने की मांग की गई है। अल जजीरा चैनल की रिपोर्ट के अनुसार, ईरान ने भी अमेरिका के साथ दो हफ्ते के युद्ध विराम पर सहमति जताई है। ईरान की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद ने कहा है कि वांशिंग्टन के साथ बातचीत शुक्रवार को इस्लामाबाद में शुरू होगी। बातचीत सिर्फ और सिर्फ प्रस्ताव के दायरे में होगी। ईरान का यह बयान बुधवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बयान के बाद आया है। ट्रंप ने कहा कि वह ईरान के बिजली संयंत्रों और पुलों पर बमबारी की धमकी वापस लेने और दो हफ्ते तक हमला न करने पर सहमत हो गए हैं। ट्रंप ने कहा कि यह समझौता होर्मुज्ज जलडमरूमध्य की स्थिति पर निर्भर करेगा। ईरान को उसे तुरंत और सुरक्षित रूप से खोलना होगा। उल्लेखनीय है कि यह एक संकरा जलमार्ग है। यह मार्ग खाड़ी को अरब सागर से जोड़ता है। इस रास्ते से दुनिया की तेल आपूर्ति का पचावें हिस्सा गुजरता है। 28 फरवरी के हमले के बाद ईरान ने होर्मुज्ज की नाकाबंदी कर दी। इससे वैश्विक तेल व्यापार बाधित हो गया। इससे तेल की कीमतें बढ़ गई और दुनिया भर में ईंधन की कमी हो गई। ईरान के जवाबी हमलों की गुंज पूरे खाड़ी क्षेत्र में सुनाई दी। इस जंग में ईरान के साथ आतंक की समूह हिजबुल्लाह और हूती भी खुलकर सामने आ गए।

खरगे के विरुद्ध आरएसएस असम प्रांत ने दिसपुर एवं सिलचर थाने में दर्ज कराई प्राथमिकी

गुवाहाटी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की उत्तर असम प्रांत एवं दक्षिण असम प्रांत इकायों ने दक्षिण असम में आयोजित एक हालिया चुनावी रैली के दौरान कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के दिग् गए कथित अपमानजनक, उक्तसंवेर्णु एवं साम्प्रदायिक रूप से संवेदनशील बयानों के संबंध में विधिक कार्रवाई की मांग करते हुए क्रमशः गुवाहाटी स्थित दिसपुर पुलिस थाना तथा सिलचर पुलिस थाना में औपचारिक पुलिस शिकायत दर्ज कराई है। प्रांत कार्यवाह खगेन सेकिंया और प्रांत संघचालक ज्योत्सनामय चक्रवर्ती द्वारा हस्ताक्षरित बयान में बताया गया है कि शिकायतों के अनुसार कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने श्रीभूमि जिले के करीमगंज दक्षिण विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत नीलामबाजार में आयोजित एक चुनावी सभा में विवादस्पद टिप्पणियां की। आरोप है कि उन्होंने आरएसएस और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की विचारधारा की तुलना जहरीले सांप से करते हुए उसके समाप्त किए जाने का आह्वान किया। शिकायत में उद्धृत कथन के अनुसार खरगे ने कथित रूप से कहा: यदि आप समाज अदा कर रहे हैं और आपके सामने एक जहरीला सांप आ जाए, तो आप उसको नमाज रोककर पहले उस सांप को मारने के लिए दौड़ना चाहिए, कुरान पढ़ी सिखाती है। मैं कहता हूँ कि आरएसएस और भाजपा उसी जहरीले सांप की तरह हैं; यदि आप आरएसएस और भाजपा जैसे जहरीले सांप को समाप्त नहीं करेंगे, तो आप जीवित नहीं रह पाएंगे। बीती देररात जारी एक बयान में आरएसएस ने इस प्रकार के वक्तव्य पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए कहा है कि इस प्रकार की टिप्पणियां चुनावी अभियान के दौरान धार्मिक भावनाओं का उपयोग करते हुए आरएसएस एवं भाजपा के कार्यकर्ताओं और समर्थकों के विरुद्ध शत्रुता, भय तथा हिंसा को उकसा सकती हैं। शिकायतों में आरोप लगाया गया है कि यह बयान जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 83 के अंतर्गत भ्रष्ट चुनावी आचरण की श्रेणी में आता है तथा इससे जनता को आपराधिक रूप से भ्रषवोधित करने और विभिन्न राजनीतिक एवं सामाजिक समूहों के समर्थकों के बीच वैमनस्य फैलाने का प्रयास किया गया है। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि आरएसएस एवं भाजपा की विचारधारा को जहरीला बनाता तथा उनके उन्मूलन की बात काना संघटन के सदस्यों एवं समर्थकों को शारीरिक क्षति पहुंचाने के लिए उक्तसंने के रूप में देखा जा सकता है।